

संपादकीय

विरासत का गौरव,विकास का उत्सव...

लेकिन मंजिल अभी बाकी है!

01 नवंबर 2000 को देश के नक्शे पर छत्तीसगढ़ के रूप में एक नए राज्य का उदय हुआ था। अलग राज्य की परिकल्पना के पीछे यहां के लोगों की अपनी पहचान, बेहतर विकास,रोजगार,शिक्षा,स्वास्थ्य और खुशहाली की आकांक्षाएं जुड़ी थीं। आज 26 वर्ष बाद छत्तीसगढ़ अपनी अलग पहचान स्थापित कर चुका है। इन वर्षों में प्रदेश ने कृषि,बिजली,खनिज,उद्योग,सड़क,शिक्षा और स्वास्थ्य सहित अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है। निश्चित रूप से यह यात्रा गर्व करने योग्य है,लेकिन स्थापना दिवस केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं,बल्कि देखने का अवसर भी है कि राज्य निर्माण के समय देखे गए सपनों में से कितने पूरे हुए और कितने अब भी अधूरे हैं।

उपलब्धियों पर गर्व,लेकिन चुनौतियों से मुंह नहीं मोड़ सकते...

छत्तीसगढ़ ने इन 26 वर्षों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की है। धान उत्पादन और समर्थन मूल्य पर खरीदो ने किसानों को नई पहचान दी है। बिजली उत्पादन,खनिज संपदा और औद्योगिक संभावनाओं ने प्रदेश की आर्थिक स्थिति को मजबूती दी है। राजधानी रायपुर और नया रायपुर का विस्तार,राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास,शैक्षणिक एवं चिकित्सा संस्थानों की स्थापना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार भी विकास यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इन उपलब्धियों का श्रेय किसी एक सरकार को देना उचित नहीं होगा। अलग-अलग समय में सत्ता सभालने वाली सरकारों,जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों,कर्मचारियों और प्रदेश की जनता के सामूहिक प्रयासों से छत्तीसगढ़ यहां तक पहुंचा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। किसानों,महिलाओं,गरीब परिवारों,युवाओं और आदिवासी अंचलों के लिए संचालित योजनाओं से उम्मीदें जुड़ी है। लेकिन योजनाओं की वास्तविक सफलता घोषणाओं और बजट से नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन में आने वाले बदलाव से तय होती है।

सरकार की उपलब्धियों के साथ विपक्ष के सवाल भी जरूरी
लोकतंत्र में सरकार की उपलब्धियों की सराहना होनी चाहिए,लेकिन उसकी कमियों पर सवाल उठाना भी उतना ही जरूरी है। प्रदेश में बेरोजगारी,युवाओं की भर्ती,शिक्षा की गुणवत्ता,ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाएं, किसानों की समस्याएं,महंगाई और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दे आज भी गंभीरता से ध्यान देने की मांग करते हैं।

विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाए और सरकार को जवाबदेह बनाए। वहीं सरकार को भी आलोचनाओं को राजनीतिक विरोध मानकर खारिज करने के बजाय तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। केवल आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक बयानबाजी से जनता की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समझना होगा कि उनकी वास्तविक जवाबदेही जनता के प्रति है।

सरगुजा-बस्तर का विकास ही

विकसित छत्तीसगढ़ की असली कसौटी

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध छत्तीसगढ़ में आज भी कई ऐसे क्षेत्र हैं,जहां विकास को पहुंच अपेक्षाकृत कमजोर है। विशेषकर सरगुजा और बस्तर जैसे आदिवासी बहुल संभागों में शिक्षा,स्वास्थ्य,सड़क,वैयजल,सिंचाई और रोजगार की सुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता होनी चाहिए। खनिज संपदा और वन संसाधनों से प्रदेश को आर्थिक लाभ मिलना महत्वपूर्ण है,लेकिन चाहिए।विकास के नाम पर जल,जंगल और जमीन से जुड़े अधिकारों, पर्यावरण और आदिवासी संस्कृति की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ शिक्षा,रोजगार,स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही स्थायी शांति का आधार बन सकता है।

विरासत का संरक्षण भी विकास का हिस्सा

छत्तीसगढ़ की पहचान केवल खनिज और कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं है। यहां की लोकसंस्कृति,परंपराएं,पंथी,राउत नाचा,सुआ,करमा,पंडवानी और आदिवासी जीवनशैली प्रदेश की वास्तविक धरोहर हैं। सरगुजा से बस्तर तक फैली सांस्कृतिक विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। राज्यत्व के मंचों पर इन परंपराओं को सम्मान देना अच्छी पहल है, लेकिन लोक कलाकारों को स्थायी प्रोत्साहन,स्थानीय भाषाओं का संरक्षण और पारंपरिक शिल्प को रोजगार से जोड़ना भी जरूरी है।

उत्सव के साथ आत्ममथन का संकल्प

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर विरासत का गौरव,विकास का उत्सव का सदेश प्रदेश की उपलब्धियों और आकांक्षाओं को अभिव्यक्त करता है। 26 वर्षों की यात्रा पर गर्व होना चाहिए,लेकिन यह भी सुनिश्चित करना होगा कि विकास का लाभ केवल बड़े शहरों और कुछ क्षेत्रों तक सीमित न रहे। गांव का किसान,मेहनतकश मजदूर,आदिवासी परिवार,बेरोजगार युवा और सामान्य नागरिक भी विकास की वास्तविक अभ्युत्थित कर सके। आज आवश्यकता है कि राजनीतिक दल अपनी विचारधारा और सत्ता की प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठकर प्रदेश के भविष्य के लिए साझा संकल्प लें। सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम करे, विपक्ष रचनात्मक भूमिका निभाए और प्रशासन योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाए। छत्तीसगढ़ की 26 वर्षों की यात्रा उपलब्धियों,संघर्षों और संभावनाओं की यात्रा है। अब समय है कि विकास के आंकड़ों के साथ आम आदमी के जीवन में आए बदलाव को भी सफलता का पैमाना बनाया जाए। राज्योत्सव की सार्थकता तभी होगी, जब बस्तर के वनांचल से लेकर सरगुजा के पहाड़ी गांवों तक और किसान के खेत से लेकर मजदूर के घर तक विकास की रोशनी पहुंचे। विरासत पर गर्व हो, विकास में समरता हो और राजनीति में जनिहित सर्वोपरि हो। यहीं विकसित छत्तीसगढ़ की असली पहचान और राज्य स्थापना दिवस का सबसे बड़ा संकल्प होना चाहिए।

समस्त प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जय छत्तीसगढ़!

हमर राज के पावन भुइयॉँ



संतोष मिरी हेम
कोरवा
छत्तीसगढ़

हमर राज के पावन भुइयॉँ,अब्बड़ सुध्हर हावय।

दुलर जंगल अउ हरियाली हा,सबके मन ला भावय।।

जुलर छत्तीसगढ़ हवय जी,नाम सबो जन जार्नय।

धान कटोरा कहँय सबो जी,सबला सिधवा मायँय।

दुरिह-दुरिहा ला देखे बर,जमों संगी आवय।

हमर राज के पावन भुइयॉँ,अब्बड़ सुध्हर हावय।।

देखव चारो मुड़ा घुम के,अबड़ नीक ये लागे।

इहाँ सबो मन देखव संगी,झूल परे ला जागे।।

बसे हवय जंगल मा तन-मन,मन ल मोह वो जावय।

हमर राज के पावन भुइयॉँ,अब्बड़ सुध्हर हावय।।

महानदी शिवनाथ देख ले,इंद्रावती ह बढिया।

गरब करय गा देखव संगी,सबो छत्तीसगढ़िया।।

बोली मधरस सही लागथे,अंतस मया समावय।

हमर राज के पावन भुइयॉँ,अब्बड़ सुध्हर हावय।।

सूचना

समाचार पत्र में हमें समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटीक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायलये के अधीन होगा।

सम्पादक

अपन अलगे पहिचान,भारखा-संस्कृति अउ क्षेत्रीय अस्मिता के रक्षा बर पंडित सुंदरलाल शर्मा ह 1918 म जउन वैचारिक सपना ल देखिन, डॉ.खूबचंद बखैल ह 1956 म छत्तीसगढ़ भातु संघ



त्रिभुवन लाल साहू
जाजगीर,छत्तीसगढ़

बनाके जउन आंदोलन ल धार दिहिन,अउ शंकर गुहा नियोगी पवन दीवान सहित कतको आंदोलन कारी मन जेला जन अां दोल न बनाइन,ओखरे नतीजा रहिस के एक नवंबर 2000 म मध्यप्रदेश ले अलगे होके छत्तीसगढ़ देश के 26वाँ राज के रूप म अस्तित्व म आइस।

नवा कीर्तिमान अउ गौरवशाली उपलब्धि

बोते छब्बीस बछर म छत्तीसगढ़

विकास के कतको नवा कीर्तिमान गढ़े हे। कभू पिछड़पन के दंश झेलइया ए इलाका आज स्टील,सीमेंट अउ बिजली के सरलस उत्पादन के संग देश के एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र बन गे हे। धान के कटोरा कहे जइवइया ए राज ह खेती-किसानी के क्षेत्र म घलो अपन अलगे पहिचान बनाय हे। पूरा देश म सबले जादा भाव म धान ल बिसात हे फेर भुखमरी ले निपटे बर इहाँ के सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पी डी एस) के मॉडल आज पूरा देश म अपन अलगा पहिचान रखथे। पड़ई-लिखई के क्षेत्र म रायपुर-भिलाई जइसन शहर म आईआईटी, आईआईएम अउ एम्स जइसन देश के बड़े संस्थान खुल गे हैं। सुरक्षा के मोर्चा म बस्तर के भीतरी इलाका

हरियाणा स्थापना

दिवस पर विशेष

इस समय देश के 28 राज्य तथा 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं! उन सब का अपना अपना महत्व है लेकिन हरियाणा राज्य की अपनी विशेषता के कारण यह और राज्यों के लिए रोल मॉडल का काम कर सकता है।



प्रोफेसर शामलाल कोशल
रोहतक,हरियाणा

हरियाणा राज्य की स्थापना पहली नवंबर,1966 को हुई थी। इसी दिन कर्नाटक, छत्तीसगढ़,अलग से पंजाब, केरल,आंध्र प्रदेश,मिज़ोरनाडु, हिमाचल प्रदेश,राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश की भी स्थापना हुई थी। हरियाणा का सही अर्थ है ईश्वर का निवास। हरियाणा

हरिकेन से भी जाना जाता है। हरियाणा उत्तर भारत में स्थित एक छोटा परंतु महत्वपूर्ण राज्य है इसकी सीमाएं पंजाब,हिमाचल प्रदेश,उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के साथ लगती हैं। हरियाणा में रहने वाले अधिकांश लोग जाट है,इसके अलावा यहां पंजाबी,अहीर,सिख,जैन धर्म के लोग आदि भी रहते हैं। लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है जिसमें 70 प्रतिशत लोग रोजगार प्राप्त करते हैं। यहां की आबादी का लगभग 90व लोग गांवों में रहते हैं।

कहना ना होगा कि शाह आयोग की सिफारिश के आधार पर पंजाब के हिंदी भाषीय क्षेत्रों को अलग करके हरियाणा की स्थापना की गई थी। किसी समय पंजाब का हिस्सा रहे हरियाणा का विकास उमेक्षित रहा जिसकी वजह से राजनेताओं ने अलग हरियाणा राज्य की मांग की जो कि पहली नवंबर, 1966 को पूरी हो गई और अलग से हरियाणा राज्य अस्तित्व में आया। हरियाणा के पहले मुख्यमंत्री, पंडित भगवत



दयाल शर्मा थे। हरियाणा की मुख्य राजनीतिक पार्टियां कांग्रेस,भाजपा,इंडियन नेशनल लोकदल, तथा जननायक जनता पार्टी,आम आदमी पार्टी आदि हैं। हरियाणा की मुख्य फसलें गेहूं, चावल,गन्ना,कपास,ज्वार,बाजरा आदि हैं। हरियाणा खाद्यान्न तथा दुग्ध उत्पादन में नंबर वन है।

सोनीपत,पानीपत,फरीदाबाद,गुरुग्राम, रोहतक,झज्जर इस प्रदेश के मुख्य औद्योगिक केंद्र हैं जहां पर ट्रैक्टर, सर्जिकल कपास,मारुति कारें,जैव कोयला,स्टील फर्नीचर,सूतीधागे,पीवीसी,हथकरघा, चावल मिलें आदि के उद्योग हैं। हरियाणा पेट्रोलियम उत्पाद इलेक्ट्रॉनिक का सामान आदि का निर्यात करता है। बेशक हरियाणा का क्षेत्रफल देश के क्षेत्रफल का

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है,जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं,वहीं दूसरी ओर गरीबी,भूखमरी, हिंसा,विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चु नौ -तियां लगातार विक रात होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं,विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है,तब भी करोड़ों लोग लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं?अंतर्राष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'डिजास्टर डिवाइड' इसी प्रश्न का एक असहज,किंतु विचारेतेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं,बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी है। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है,लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं,बीमा और आधुनिक सुविधाओं से तुरुस्मान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर,खेत,पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार,अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं,रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों,अवसरों और अधिकारों का विवरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी,महंगाई, खाद्य संकट,जल संकट और विस्थापन उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के

प्रतीक बन गए हैं,जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा,सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है,बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी है। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है,लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं,बीमा और आधुनिक सुविधाओं से तुरुस्मान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर,खेत,पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार,अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं,रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों,अवसरों और अधिकारों का विवरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी,महंगाई, खाद्य संकट,जल संकट और विस्थापन उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के

प्रतीक बन गए हैं,जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा,सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है,बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है।

यही तनाव आक्रोश,विद्रोह, अरागध,सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है,लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है,तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने,सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का 'डिस्टर्ब एंड रीबिल्ट इंडेक्स' 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है,जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप।

भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि,निर्माण,छोटे व्यवसायों और अर्धगंठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा,सूखा,बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है

और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार,भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं,देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए

चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं,बल्कि विकास को न्यायपूर्ण,समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा,जब विकास की चमक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी,बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे,तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रहने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो, विलासितापूर्ण उपभोग पर उचित कर व्यवस्था बने,स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिले और जल,जंगल तथा जमीन के संरक्षण को विकास की अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही,जलवायु आपदाओं से प्रभावित किसानों,मजदूरों और कमजोर समुदायों

छत्तीसगढ़ी म गोंडियाय ल लेके रोके-टोके के शिकापत घलो सुनाइ देथे। एखर लो बढ्के चिंता ए बात के हे के आज दू झन छत्तीसगढ़िया मन घलो अपन मातृभाखा म गोंडियाय बर लजाथें,के कोनो ओमन ल पिछड़ा अउ गंवार झन समझ लिही। एखर असर जनात ए हे के नवा पीढ़ी अपन मातृभाखा ले दुरिहा होत जात होवनांचल के कतको बोली मन तुप्त होय के लाइन म हैं।राजकीय मंच म स्थानीय कलाकार मन ल बाहिर ले आये बॉलीवुड कलाकार मन ले कम मानदेय तो मिलथे। फेर बड़े आयोजन म ओमन ल मंच तक नइ देहे के बात घलो उठथे।हमर राज के तीज-तिहार मन के प्रचार-प्रसार अउ आयोजन बर कोनो स्पष्ट कार्ययोजना देखे ल नइ मिलय,फेर दूसर राज के तिहार मन बर बड़े-बड़े आयोजन अउ योजना बनाय जाथे।

सपना के छत्तीसगढ़ बनना अभी बाकी हे

जब इहाँ के धरती के संसाधन इहाँ के लोगन के समर्थि के आधार बनहीं, बेरोजगार मन ल दूसर राज ल छोड़ अपन राज म मउका मिलही, जब हमर भाखा ल सिरतोन मान-सम्मान मिलही, बस्तर के आखिरी छोर म रहइया आदिवासी लइका ल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलही,जवान मन ल अपन हक रोजगार मिलही।तभी पुरखामन के देखे सपना पूरा होही। अभी छत्तीसगढ़ ह विकास के रद्द जरूर नापत हे, फेर हमर पुरखा मन के सपना वाला छत्तीसगढ़ बनना अभी बाकी हे।

पर महाभारत के युद्ध के समय ज्योति सर में कृष्ण जी ने अर्जुन को गीता उपदेश दिया था। कुरुक्षेत्र के साथ ही पेहेवा में कार्तिकेय मंदिर है जहां पर लोग अपने पितरों के पिंडदान के लिए आते हैं। कुरुक्षेत्र में ब्रह्म सरोवर है जहां कुंभ स्नान करने से मुक्ति प्राप्त होने की बात कही जाती है,कुरुक्षेत्र में ही प्रसिद्ध बिरला मंदिर है,यहाँ पर ही मारकंडे तीर्थ,शाहाबाद,विजवी जी से संबंधित सत्रहित तीर्थ,थानेसर,वाल्मीकि आश्रम थानेसर,स्कंद पुराण से संबंधित प्राचीन तीर्थ कुरुक्षेत्र गीता भवन, बाणगंगा कुरुक्षेत्र कालका देवी मंदिर,पंचकूला,भीमा देवी मंदिर पिंपर,शीतला माता मंदिर,गुरुधाम,सोना गुरुधाम में गंगो पानी का चशमा,भूतेश्वर मंदिर जौंद,चंडी मंदिर,चंडीगढ़, अस्थल बोहर,रोहतक,पुंडरीक सरोवर,कैथल, चामुंडा देवी मंदिर,नारनौल आदि अनेक तीर्थ स्थान है जहां जाकर मन को बहुत शांति मिलती है। हरियाणा में हिंदू,सिख,मुसलमान,नाथ संप्रदाय के अनुयाई आदि मिलजुल कर सौहार्द पूर्ण ढंग से मिलजुल कर रहते हैं। भारत में अनेकता में एकता की जो बात कही जाती है,हरियाणा उसकी जीती जाती मिसाल है। हरियाणा के लोग बहुत मेहनती,प्रशिक्षित,अनुभवी तथा बहादुर है। विदेशी आक्रांतों को रोकेने के लिए पानीपत की तीन लड़ाइयां हो चुकी हैं,इतिहास इसका गवाह है। हरियाणा के बारे में कहावत मशहूर है...जहां दूध दही का खाना,वही है हरियाणा।

इस सारे के बावजूद भी हरियाणा के साथ सब कुछ ठीक-ठाक हो,ऐसा नहीं कहा जा सकता। हरियाणा में बेरोजगारी,किसानों की समस्याएं,लड़कियों का कम उम्र में विवाह हो जाना,ऑनर किलिंग,पेयजल की समस्या,लिंग अशुषात का लड़कियों के खिलाफ जाना आदि समस्याएं हैं जिन्हें यथशीघ्र हल किए जाने की जरूरत है। जितनी तेजी से हरियाणा ने पहली नवंबर को बने अन्य राज्यों के मुकाबले में सामाजिक,आर्थिक, शैक्षिक तथा चिकित्सा संबंधी विकास किया है, वह अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय होना चाहिए।

के लिए सामाजिक सुस्शा,बीमा,स्वास्थ्य सुविधाएं तथा पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था हो। विकास का लाभ केवल पूंजी के स्वामियों तक सीमित न रहे,बल्कि श्रम करने वाले हाथों तक भी पहुंचे।

भारत की सांस्कृतिक चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः','वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'अपरिग्रह' जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधी का 'सादा जीवन,उच्च विचार'केवल व्यक्तिगत आचरण का संदेश नहीं,बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन है। जैन दर्शन का अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि आवश्यकता से अधिक स्रग्रह अंततः समाज में असंतुलन पैदा करता है। प्रकृति हमारी संपत्ति नहीं,आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। अंततः ऑक्सफैम की 'डिजास्टर डिवाइड' रिपोर्ट दुनिया के सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकास का अर्थ कुछ लोगों की असंमिित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवता की बढ़ती विवशता है? पृथ्वी किसी एक वर्ग की जागीर नहीं, न ही उसके संसाधनों पर किसी मुट्ठी भर लोगों का एकाधिकार हो सकता है। आज आवश्यकता अमीरी को अपराध मानने की नहीं,बल्कि अमीरी के साथ जवाबदेही जोड़ने की है। याद रखना होगा कि जब समाज में विषमता की खाई बहुत गहरी हो जाती है,तब असंतोष की आग सीमाओं में नहीं बंधती। धरती को बचाना है तो विकास की दिशा बदलनी होगी,समृद्धि के संवेदना से जोड़ना होगा और अर्थव्यवस्था को मानवता के प्रति जवाबदेह बनाना होगा। क्योंकि जिस विकास में प्रकृति सुरक्षित नहीं और मृष्य सम्पात्ति नहीं,वह विकास नहीं,विनाश की प्रस्तावना है।

राज्योत्सव के रंग में रंगेगा कला केन्द्र मैदान,आरू साहू और स्वप्निल जायसवाल की सुरमयी प्रस्तुतियां होंगी खास

2 नवंबर को दोपहर 2 बजे से सजेगा सांस्कृतिक मंच,मंत्री रामविचार नेताम करेंगे शुभारंभ...‘सशक्त नारी,युवा उड़ान’ रखी गई है इस वर्ष की थीम

–संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 2 नवंबर को अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में जिला स्तरीय राज्योत्सव का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक चलने वाले इस समारोह में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति, परंपरा और विकास की झलक देखने को मिलेगी। इस बार आयोजन की थीम ‘सशक्त नारी, युवा उड़ान’ रखी गई है। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

राज्योत्सव का शुभारंभ छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी,मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री रामविचार नेताम अपराह्न 2 बजे करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज करेंगे। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर,जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंहदेव,अम्बिकापुर महापौर मंजूषा भगत,नगर निगम सभापति हरमिन्दर सिंह टिन्नी और जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।



आरू साहू और स्वप्निल जायसवाल की प्रस्तुति पर रहेगी नजर

समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। शाम 6 बजे तक स्थानीय कलाकारों को मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इसके बाद शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक स्थानीय और बाहरी कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। छत्तीसगढ़ की लोकप्रिय लोकगायिका आरू साहू अपने लोकगीतों से दर्शकों को छत्तीसगढ़ी संस्कृति के रंगों से रूबरू कराएंगी। वहीं स्थानीय बॉलीवुड गायक स्वप्निल जायसवाल की गायकी भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होगी। स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों के जरिए क्षेत्र की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को भी मंच मिलेगा।

विभागीय प्रदर्शनी में दिखेगी विकास की तस्वीर

राज्योत्सव स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों की ओर से जनकल्याणकारी योजनाओं,विकास कार्यों और विभागीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। कृषि एवं किसान कल्याण सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की योजनाओं, पात्रता,लाभ लेने की प्रक्रिया और संचालित गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। इस तरह राज्योत्सव में जहां एक ओर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए छत्तीसगढ़ की पहचान और परंपरा जीवंत होगी, वहीं दूसरी ओर विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचेगी।

शासकीय जमीन को निजी बताकर बेचने की साजिश,एक आरोपी गिरफ्तार

तत्काल्य अभिलेखों में कूटरचना कर छोटे झाड़ के अंश में जमीन को निजी दर्शाने का आरोप,तत्काल्य का ठगने वाला है गिरफ्तार आरोपी

–संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
शासकीय जमीन को निजी भूमि बताकर उसकी बिक्री करने के लिए राजस्व अभिलेखों में कथित कूटरचना किए जाने का मामला सामने आया है। कमलेश्वरपुर पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए रायगढ़ जिले के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार,खसरा नंबर 1378 की जमीन राजस्व अभिलेखों में छोटे झाड़ के जंगल के रूप में शासकीय भूमि दर्ज है, लेकिन वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेख में कथित तौर पर फर्जी प्रविष्टि कर उसे निजी भूमि दर्शाया गया। मामले में शामिल अन्य आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,प्राथी उमेश्वर सिंह की शिकायत पर मामले की जांच शुरू की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि खसरा नंबर 1378 के वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेख में कूटरचना कर जमीन की प्रविष्टि बदली गई है। जांच के दौरान वर्ष 1995-96 के बंदोबस्त अभिलेखों का परीक्षण किया गया, जिसमें उक्त भूमि छोटे झाड़ के जंगल मद में शासकीय भूमि के रूप में दर्ज मिली। इसके बावजूद पुराने अधिकार अभिलेख में इसे निजी भूमि दर्शाने की फर्जी प्रविष्टि तैयार किए जाने की बात सामने आई। जांच में तुलेश्वर गुप्ता सहित अन्य लोगों की सलिसता पाए जाने पर थाना कमलेश्वरपुर में अपराध क्रमांक 82/26 के तहत धारा 420, 467, 468, 471 एवं 34 भादवि के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने तुलेश्वर गुप्ता (50), पिता गणेश गुप्ता, निवासी ग्राम अलोला,थाना कापू,जिला रायगढ़ को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पुछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। मामले के अन्य आरोपी घटना के बाद से फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। शासकीय भूमि से जुड़े इस मामले में राजस्व अभिलेखों की कूटरचना और धोखाधड़ी के पहलुओं पर आगे की विवेचना जारी है।

12वीं के छत्र की मौत,एक माह पहले मारपीट और अश्लील वीडियो का आया था मामला
महामाया पारा में कपड़े में फंसे पर मिला नाबालिग, पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच
नगर के महामाया पारा में शनिवार सुबह 12वीं कक्षा के एक नाबालिग छत्र की मौत से क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतक धीरज सोनी का पुत्र था और स्वामी आत्मानंद स्कूल देवगढ़ में कक्षा 12वीं में पढ़ता था। परिजनों के अनुसार,शनिवार सुबह छत्र अपने कमरे में पंखे से लटकता मिला। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि करीब एक माह पहले छत्र के साथ कथित मारपीट और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया था। इस मामले में तीन आरोपी जेल में हैं। घटना के बाद छत्र ने स्कूल जाना बंद कर दिया था। हालांकि,कुछ दिनों पहले उसने दोबारा स्कूल जाना शुरू किया था। फिलहाल छत्र की मौत का पूर्व की घटना से कोई संबंध होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

–संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
नगर के महामाया पारा में शनिवार सुबह 12वीं कक्षा के एक नाबालिग छत्र की मौत से क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतक धीरज सोनी का पुत्र था और स्वामी आत्मानंद स्कूल देवगढ़ में कक्षा 12वीं में पढ़ता था। परिजनों के अनुसार,शनिवार सुबह छत्र अपने कमरे में पंखे से लटकता मिला। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम किया। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि करीब एक माह पहले छत्र के साथ कथित मारपीट और अश्लील वीडियो बनाने का मामला सामने आया था। इस मामले में तीन आरोपी जेल में हैं। घटना के बाद छत्र ने स्कूल जाना बंद कर दिया था। हालांकि,कुछ दिनों पहले उसने दोबारा स्कूल जाना शुरू किया था। फिलहाल छत्र की मौत का पूर्व की घटना से कोई संबंध होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

विधायक ने परिजनों से की मुलाक़ात : घटना की जानकारी मिलने पर विधायक रामकुमार टोप्पो अस्पताल पहुंचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाक़ात कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। थाना प्रभारी प्रदीप जायसवाल ने बताया कि छत्र को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य पहलुओं की जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

माखन विहार मुख्य मार्ग का 155.09 लाख रुपये से होगा डामरीकरण-

संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
शहरी अधोसंरचना के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर पालिक निगम अंबिकापुर द्वारा माखन विहार मुख्य मार्ग पर 155.09 लाख रुपये की लागत से सड़क डामरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। मंजू किराना दुकान से शिव मंदिर तक बनने वाली इस सड़क के निर्माण के तहत शनिवार को डब्ल्यूएमएम (बेट मिक्स मैकडम) का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।
सड़क निर्माण से क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत
माखन विहार मुख्य मार्ग के डामरीकरण से स्थानीय हवाईसियों सहित इस मार्ग से आवागमन करने वाले नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। सड़कनिर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में यातायात सुगम होगा तथा लोगों को दैनिक आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

तीन स्कूलों में 417 बच्चों को दी गई कानूनी जानकारी

बाल अधिकार,बाल विवाह निषेध और साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक,बच्चों ने बाल विवाह के खिलाफ ली शपथ

–संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा की ओर से शनिवार को सुरक्षित बचपन अभियान के तहत तीन स्कूलों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में कुल 417 विद्यार्थियों को बाल अधिकार, बाल विवाह निषेध,पॉक्सो एक्ट और साइबर सुरक्षा से संबंधित कानूनी जानकारी दी गई। केदारपुर शासकीय स्कूल में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और परिवीक्षा अधिकारी सुमंती ने संबोधित किया। इस दौरान बच्चों के अधिकारों और

ऑनलाइन माध्यम से होने वाले लैंगिक अपराधों के बारे में जानकारी दी गई। बाल विवाह पर चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने विचार रखे और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। शिविर का संदेश था– प्रत्येक बच्चे को न्याय का अधिकार है, केवल उसके आश्वासन का नहीं। नर्मदा पब्लिक स्कूल सकालो में आयोजित शिविर में 107 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में तृतीय व्यवहार न्यायाधीश ऋचा रिनी तिग्गा, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश अश्विन खाखा और चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश हेमंत प्रसाद उपस्थित रहे। अधिकार मित्र विकास सिंह और शिक्षकगण भी मौजूद थे। वहीं, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

भगवानपुर में आयोजित शिविर में 203 विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। इस दौरान न्यायाधीश हेमंत प्रसाद और अश्विन खाखा के साथ अधिकार मित्र अनीता कश्यप तथा शिक्षकगण उपस्थित रहे। तीनों शिविरों में विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट 2012, बाल अनुकूल विधिक सेवा योजना 2024, बाल विवाह प्रतिषेध, गुड टच-बैड टच और साइबर सुरक्षा की जानकारी दी गई। बच्चों को किसी भी सहयता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के फोन नंबर 07774-299120, नालसा हेल्पलाइन 15100 और 1800-233-2528 तथा चार्लड हेल्पलाइन 1098 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई।



महावीर हॉस्पिटल में कार्यरत डॉक्टर की डिग्री सदिग्ध,सीएमएचओ ने पुलिस को भेजा पत्र

- पंजीयन प्रमाणपत्र का वयूआर कोड स्कैन करने पर दूसरे व्यक्ति का निकला दस्तावेज
- डॉक्टर के साथ सीपाका कंपनी के खिलाफ भी एफआईआर की मांग

–संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
शहर के गांधीनगर स्थित श्री महावीर हॉस्पिटल में कार्यरत एक डॉक्टर की शैक्षणिक योग्यता और पंजीयन प्रमाणपत्र को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। स्वास्थ्य विभाग की जांच में डॉक्टर नुरैल आलम का पंजीयन प्रमाणपत्र सदिग्ध पाया गया है। प्रमाण-पत्र पर अंकित वयूआर कोड स्कैन करने पर वह झारखंड निवासी किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर दर्ज मिला। मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने डॉक्टर और उसे अस्पताल में उपलब्ध कराने वाली कंपनी सीपाका हेल्थ केयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस को पत्र लिखा है। सीएमएचओ डॉ. जगसाय राम सरोता ने 28 अक्टूबर को गांधीनगर थाना प्रभारी को इस संबंध में पत्र भेजा है। पत्र में बताया गया है कि 16 अक्टूबर को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने साईं मंदिर के पास स्थित महावीर हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन ने वहां कार्यरत चिकित्सकों की शैक्षणिक योग्यता और पंजीयन से संबंधित दस्तावेज निरीक्षण दल को उपलब्ध कराए थे।
वयूआर कोड स्कैन करने पर सामने आई गड़बड़ी : स्वास्थ्य विभाग ने उपलब्ध दस्तावेजों की जांच की तो अस्पताल में कार्यरत



डॉक्टर नुरैल आलम के पंजीयन प्रमाणपत्र में गड़बड़ी सामने आई। प्रमाणपत्र पर अंकित वयूआर कोड को स्कैन करने पर वह झारखंड के रांची जिले के निवासी अमरेश कुमार, पिता अभिनंदन कुमार के नाम पर दर्ज मिला। विभागीय जांच में सामने आए इस अंतर के आधार पर आशंका जताई गई है कि डॉक्टर नुरैल आलम ने अमरेश कुमार के पंजीयन प्रमाणपत्र में कूटरचना कर उसका उपयोग किया है। हालांकि,इस संबंध में अंतिम पुष्टि पुलिस की जांच और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही हो सकेगी।

आउटसोर्स कंपनी की भूमिका भी जांच के दायरे में : सीएमएचओ ने अपने पत्र में बताया है कि डॉक्टर नुरैल आलम को सीपाका हेल्थ केयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने आउटसोर्स के माध्यम से महावीर हॉस्पिटल में कार्य करने के लिए उपलब्ध कराया था। ऐसे में विभाग ने डॉक्टर के साथ संबंधित कंपनी के विरुद्ध भी प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। सीएमएचओ कार्यालय के पत्र पर कलेक्टर सरगुजा का अनुमोदन भी दर्ज है। अब पुलिस की जांच में यह स्पष्ट होगा कि कथित फर्जी पंजीयन प्रमाणपत्र का इस्तेमाल कैसे किया गया।

सरगुजा के पूर्व टीआई मनीष सिंह परिहार को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

उत्कृष्ट पुलिस अनुसंधान के लिए मिला राष्ट्रीय सम्मान, डीआईजी-एसएसपी राजेश अग्रवाल ने दी बधाई

–संवाददाता–
अम्बिकापुर,31 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा पुलिस में नगर निरीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके पुलिस अधिकारी मनीष सिंह परिहार ने जिले का गौरव बढ़ाया है। उन्हें गृह मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से वर्ष 2026 के लिए घोषित प्रतिष्ठित ‘केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक’ से सम्मानित किया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से जारी पदक प्राप्तकर्ताओं की सूची में उनका नाम इन्वेस्टिगेशन फ़ील्ड (अनुसंधान) के अंतर्गत शामिल है। पुलिस अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, विवेचना में दक्षता, कर्तव्य के प्रति समर्पण और उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। अपराधों की जांच और अनुसंधान के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले



राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूर्व में सरगुजा में सेवाएं दे चुके अधिकारी को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पुलिस महकमे के लिए भी गौरव का विषय है।



अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा तैयार कर जांच प्रतिवेदन भी बनाया।

संचालक को तीन दिन में जवाब देने का नोटिस : जांच के बाद प्रशासन ने राशन दुकान संचालक को नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर खाद्यान्न की कमी के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने या संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं करने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मामले का जांच प्रतिवेदन उच्चाधिकारियों को भी भेजा गया है।

900 हितग्राही, जांच के दौरान 564 रहे मौजूद : ग्रामीणों के अनुसार, गोरता की राशन दुकान से करीब 900 हितग्राही जुड़े हुए हैं। जांच के दौरान इनमें से 564 हितग्राही मौके पर उपस्थित रहे। शेष हितग्राही विभिन्न कारणों से नहीं पहुंच सके। ग्रामीणों ने दुकान से करीब 600

सामान्य सभा से अधिकारी गायब...जिला पंचायत ने पारित किया निंदा प्रस्ताव,पंचायत राज व्यवस्था की अनदेखी पर सवाल

जनप्रतिनिधि बैठक में...अधिकारी नदारद! कोरिया जिला पंचायत ने निंदा प्रस्ताव से प्रशासनिक जवाबदेही कटघरे में...

क्या जिला पंचायत की सामान्य सभा अब अधिकारियों के लिए महज औपचारिकता? दर्जनभर अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर निंदा प्रस्ताव

सत्ता पक्ष के जिला पंचायत अध्यक्ष ने भी जताई नाराजगी, अधिकारियों की अनुपस्थिति पर निंदा प्रस्ताव

गांवों के सवालों का जवाब कौन देगा? जिला पंचायत की सामान्य सभा में अधिकारी नदारद,जनप्रतिनिधियों का विरोध

सूचना के बावजूद दर्जनभर जिला स्तरीय अधिकारी बैठक से रहे नदारद,निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने जताई नाराजगी

सवाल-जब सामान्य सभा में ही अधिकारी नहीं पहुंचेंगे तो ग्रामीण विकास और जनसमस्याओं की समीक्षा कैसे होगी?



-रवि सिंह-
बैकुंठपुर, 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के तहत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच समन्वय को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं, जिला पंचायत की सामान्य सभा जैसी महत्वपूर्ण बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति ने पंचायत व्यवस्था की कार्यप्रणाली और प्रशासनिक जवाबदेही को चर्चा के केंद्र में ला दिया है, 29 अक्टूबर 2026 को आयोजित सामान्य सभा की बैठक में अधिकांश विभागों के जिला प्रमुखों के उपस्थित नहीं होने पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने कड़ी नाराजगी जताई और अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया। यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जिला पंचायत की सामान्य सभा महज एक औपचारिक बैठक नहीं, बल्कि जिले के ग्रामीण विकास, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन, विभागीय कामकाज की समीक्षा और आम जनता से जुड़ी समस्याओं को प्रशासन के सामने रखने का महत्वपूर्ण संस्थागत मंच है, ऐसे मंच पर यदि संबंधित विभागों के जिम्मेदार अधिकारी ही उपस्थित नहीं होंगे तो जनप्रतिनिधियों के सवालों का जवाब कौन देगा? योजनाओं की प्रगति की जानकारी कौन देगा? ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़ी शिकायतों और समस्याओं पर निर्णय की प्रक्रिया आगे कैसे बढ़ेगी? सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या अधिकारियों के लिए जिला पंचायत की सामान्य सभा अब प्राथमिकता में नहीं रह गई है? क्या निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक को प्रशासनिक स्तर पर सामान्य औपचारिकता मान लिया गया है? यदि ऐसा नहीं है तो सूचना और निर्धारित कार्यक्रम के बावजूद बड़ी संख्या में अधिकारियों की गैरमौजूदगी की वजह क्या रही? इन सवालों का जवाब जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को देना चाहिए।

सामान्य सभा कोई औपचारिकता नहीं, ग्रामीण शासन का महत्वपूर्ण मंच-

त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को मजबूत करना और स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों की योजना तथा निगरानी में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत इसी व्यवस्था की तीन महत्वपूर्ण इकाइयां हैं, जिला पंचायत इन इकाइयों के बीच समन्वय और जिले के ग्रामीण विकास से जुड़े विषयों पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच है, जिला पंचायत की सामान्य सभा में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, लोक निर्माण और अन्य विभागों से जुड़े विषयों पर समीक्षा की जाती है, ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूलों की स्थिति, स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाएं, पेयजल संकट, सड़क निर्माण, आवास योजनाओं का क्रियान्वयन, कृषि से जुड़ी समस्याएं और अन्य जनहित के मुद्दे इसी तरह की बैठकों में उठाए जा सकते हैं, इस बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याएं रखते हैं, संबंधित विभागों से योजनाओं की प्रगति, बजट के उपयोग, लंबित कार्यों और शिकायतों के निराकरण की जानकारी मांगी जाती है, इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल चर्चा करना नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर जवाबदेही और कार्यवाही की दिशा तय करना भी है, ऐसे में सामान्य सभा में अधिकारियों की अनुपस्थिति का सीधा असर बैठक की उपयोगिता पर पड़ सकता है, जनप्रतिनिधि सवाल उठाए और जवाब देने के लिए संबंधित अधिकारी ही मौजूद न हों, तो समीक्षा की प्रक्रिया अधूरी रह जाती है, फिर बैठक में उठाए गए मुद्दों का समाधान किस स्तर पर और किस समय होगा, यह भी स्पष्ट नहीं हो पाता।

सत्ता पक्ष के अध्यक्ष और सदस्यों ने भी दर्ज कराया विरोध- इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जिला पंचायत में अध्यक्ष और कई सदस्य भाजपा समर्थित हैं, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैरुआ, उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े तथा सदस्य राजेश साहू, गीता राजवाड़े, सुरेश सिंह और स्नेहलता उदय सहित निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की ओर से बैठक में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर विरोध दर्ज कराया गया, सामान्य सभा में निंदा प्रस्ताव पारित होना इस बात का संकेत है कि अधिकारियों की गैरमौजूदगी को जनप्रतिनिधियों ने सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया, यहां सवाल केवल किसी एक दल, सत्ता पक्ष या विपक्ष का नहीं है, पंचायत प्रतिनिधि चाहे जिस राजनीतिक विचारधारा से जुड़े हों, उनका निर्वाचन ग्रामीण जनता के बीच से होता है और उनकी जवाबदेही भी जनता के प्रति होती है,

जब वे गांवों की समस्याएं लेकर जिला पंचायत की सामान्य सभा में पहुंचते हैं, तब उनसे यह अपेक्षा रहती है कि संबंधित विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे और समस्याओं पर तथ्यात्मक जानकारी देंगे, ऐसे में अधिकारियों की अनुपस्थिति जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ उन ग्रामीणों की अपेक्षाओं को भी प्रभावित करती है, जिनकी समस्याएं बैठक में उठाई जानी थीं।

दर्जनभर अधिकारियों की गैरमौजूदगी, जवाबदेही किसकी? -29 अक्टूबर की बैठक में जिले के दर्जनभर जिला स्तरीय अधिकारियों सहित अधिकांश विभाग प्रमुखों के अनुपस्थित रहने की बात सामने आई है, यदि किसी अधिकारी को अपरिहार्य कारणों से बैठक में शामिल होना संभव नहीं था तो विभाग की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति और आवश्यक विभागीय जानकारी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा सकती थी,

निंदा प्रस्ताव के बाद क्या होगा? कागज पर विरोध या व्यवस्था में बदलाव?

जनप्रतिनिधियों ने निंदा प्रस्ताव पारित कर अपनी नाराजगी दर्ज करा दी है, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल इसके आगे की कार्यवाही को लेकर है, क्या यह प्रस्ताव केवल बैठक की कार्यवाही में दर्ज होकर रह जाएगा या जिला प्रशासन इस पर गंभीरता से सज्जन लेकर भविष्य के लिए कोई ठोस व्यवस्था बनाएगा? निंदा प्रस्ताव अपने आप में अधिकारियों के विरुद्ध दृष्टात्मक कार्यवाई नहीं है, लेकिन यह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की औपचारिक असहमति और संस्थागत नाराजगी को सामने लाता है, इसकी वास्तविक उपयोगिता तभी होगी जब अनुपस्थिति के कारणों की समीक्षा हो, संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण लिया जाए और आगामी बैठकों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाई जाए, यदि हर बार सामान्य सभा में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर केवल नाराजगी दर्ज होती रहे और उसके बाद कोई सुधारात्मक कदम नहीं उठे, तो ऐसी बैठकों की गंभीरता और प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है, निंदा प्रस्ताव को केवल एक कागजी कार्यवाई मानकर छोड़ देना उस मूल समस्या का समाधान नहीं होगा, जिसके कारण यह प्रस्ताव पारित करने की नौबत आई।

लेकिन जब बैठक में संबंधित विभागों की पर्याप्त भागीदारी ही नहीं होगी, तब जनप्रतिनिधियों की ओर से उठाए गए सवालों का समाधान कैसे होगा? यह भी महत्वपूर्ण है कि अधिकारियों की अनुपस्थिति के पीछे क्या कारण थे? क्या अधिकारियों को बैठक की सूचना समय पर नहीं मिली थी? क्या किसी विभागीय कार्यक्रम या प्रशासनिक व्यस्तता के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके? क्या अनुपस्थित अधिकारियों ने पूर्व में इसकी सूचना दी थी या किसी प्रतिनिधि को भेजा था? इन तथ्यों का आधिकारिक पक्ष सामने आना जरूरी है, हालांकि, कारण चाहे जो भी रहे हों, जिला पंचायत की सामान्य सभा की उपयोगिता और उसमें विभागीय अधिकारियों की भागीदारी को लेकर उठे सवालों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सत्ता पक्ष के कार्यकाल में ही विरोध की स्थिति, प्रशासन के लिए भी संकेत- इस घटनाक्रम का राजनीतिक और प्रशासनिक पहलू भी कम महत्वपूर्ण नहीं है, जिला पंचायत

में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और सदस्य होने के बावजूद अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित होना बताता है कि यह मामला केवल राजनीतिक विरोध तक सीमित नहीं है, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की नाराजगी का केंद्र प्रशासनिक बैठकों में अधिकारियों की भागीदारी और पंचायत व्यवस्था के प्रति जवाबदेही है, जब सत्ता पक्ष से जुड़े जनप्रतिनिधि भी सामान्य सभा में अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर विरोध दर्ज कराने को मजबूर हों, तो प्रशासन के लिए यह एक संस्थागत संकेत है कि पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक को नियमित औपचारिकता समझकर नहीं लिया जा सकता, हालांकि, इस घटना के आधार पर अधिकारियों की मंशा या जानबूझकर उपेक्षा का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन अनुपस्थिति के कारणों और उसके प्रभावों पर प्रशासनिक स्तर पर स्पष्टता आवश्यक है।

जनप्रतिनिधियों के सवालों का जवाब देना प्रशासनिक जिम्मेदारी का हिस्सा-

लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिकाएं अलग-अलग जरूर हैं, लेकिन ग्रामीण विकास के लिए दोनों के बीच समन्वय अनिवार्य है, जनप्रतिनिधि जनता की समस्याएं और स्थानीय जरूरतें सामने रखते हैं, जबकि अधिकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक कार्यवाई के लिए जिम्मेदार होते हैं, दोनों में से किसी एक की भागीदारी कमजोर पड़ने पर विकास और जनसमस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है, जिला पंचायत की सामान्य सभा में अधिकारियों की उपस्थिति केवल जनप्रतिनिधियों को सम्मान देने का विषय नहीं है, बल्कि यह विभागीय जवाबदेही, पारदर्शिता और ग्रामीण जनता के हितों से जुड़ा प्रश्न है, बैठक में उठने वाले मुद्दे किसी व्यक्ति विशेष के नहीं, बल्कि उन गांवों और परिवारों के होते हैं जो बुनियादी सुविधाओं और सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए प्रशासन की ओर देखते हैं, अब जिला प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह इस निंदा प्रस्ताव को महज एक बैठक की कार्यवाही तक सीमित न रहने दे, अनुपस्थित अधिकारियों से कारण स्पष्ट कराए जाएं, विभागीय प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी तय हो और सामान्य सभा के लिए ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे प्रत्येक विभाग की ओर से सक्षम अधिकारी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित रहें, कोरिया जिला पंचायत की 29 अक्टूबर की सामान्य सभा में पारित निंदा प्रस्ताव ने एक बुनियादी सवाल फिर सामने रख दिया है-जब ग्रामीण स्वशासन की सर्वोच्च लिखा स्तरीय संस्था की बैठक में ही विभागीय अधिकारी उपस्थित नहीं होंगे, तो गांवों की समस्याओं पर जवाबदेही और समाधान की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ेगी? अब देखना यह है कि प्रशासन इस विरोध को केवल कार्यवाही पुस्तिका में दर्ज करता है या पंचायत राज व्यवस्था की गरिमा और प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए ठोस कदम भी उठाता है।



टीचर्स क्रिकेट लीग के लिए 50 से अधिक शासकीय कर्मचारियों ने दिया ट्रायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

स्थानीय गांधी स्टेडियम में शनिवार को टीचर्स क्रिकेट लीग के लिए संभाग स्तरीय चयन ट्रायल आयोजित किया गया। इसमें सरगुजा संभाग के पांच जिलों से आए शिक्षा विभाग के 50 से अधिक शासकीय कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। चयन प्रक्रिया में जरापुर, एमसीबी, कोरिया, सूरजपुर और सरगुजा जिले के व्याख्याता, शिक्षक, व्यायाम शिक्षक, लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हुए। ट्रायल सुबह 10 बजे से निर्धारित नियमों के अनुसार शुरू हुआ। चयनित खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर सरगुजा संभाग की टीम तैयार की जाएगी। चयन

प्रक्रिया के अगले चरण में संभावित 30 खिलाड़ियों का चयन कर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके बाद चयन मैच के माध्यम से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए संभावित 20 खिलाड़ियों की टीम घोषित की जाएगी। यह टीम दिसंबर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय टीचर्स क्रिकेट लीग प्रतियोगिता में सरगुजा संभाग का प्रतिनिधित्व करेगी। चयन प्रक्रिया के दौरान सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी विकास सिंह, वरिष्ठ कोच आनंदधर दीवान, क्रिकेट कोच शौभिक दास गुप्ता, कमल निंकुंज, इसहाक तिकी, ज्ञानेश्वर सिंह, दिनेश भगत, रविशंकर भगत, विवेक पांडेय, शंकर सुवन गोपाल, पवनीत सिंह गिल सहित पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत चरचा के दो विद्यालयों में लगा विधिक जागरूकता शिविर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देश पर विद्यार्थियों को बाल अधिकार, सुरक्षा और कानूनी सहायता की दी गई जानकारी

-संवाददाता-
बैकुंठपुर/चरचा 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और किसी भी प्रकार के शोषण अथवा उत्पीड़न की स्थिति में कानूनी सहायता प्राप्त करने की जानकारी देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के तहत सुरक्षित बचपन अभियान चलाया जा रहा है, इसी अभियान के अंतर्गत चरचा कॉलोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर हॉयर सेकेंडरी विद्यालय एवं ऑक्सफोर्ड इंग्लिश मीडियम हॉयर सेकेंडरी स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरिया के माननीय अध्यक्ष के मार्गदर्शन एवं सचिव के निर्देश पर आयोजित हुआ, शिविर में चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल अजय सिंह तथा असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल मंजू पांडे ने विद्यार्थियों को कानून और बाल संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी, शिविर में विद्यार्थियों को



बाल अधिकारों, बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों, बच्चों की व्यक्तिगत सुरक्षा, ऑनलाइन सुरक्षा और किसी भी प्रकार की परेशानी अथवा उत्पीड़न की स्थिति में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया, उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता और बाल संरक्षण से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी भी दी गई। अजय सिंह एवं मंजू पांडे ने विद्यार्थियों को समझाया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित

वातावरण में रहने, शिक्षा प्राप्त करने और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार है, बाल विवाह, शोषण, उत्पीड़न अथवा ऑनलाइन माध्यमों से होने वाली किसी भी तरह की परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, ऐसी स्थिति में बच्चों को बिना डर के अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा संबंधित प्राधिकरण को जानकारी देनी चाहिए, उन्होंने निःशुल्क विधिक सहायता की उपलब्धता और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया के बारे

में भी बताया, ताकि जरूरत पड़ने पर बच्चे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी मदद प्राप्त कर सकें।

विद्यालयों तक पहुंच रही विधिक जागरूकता की पहल-बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा केवल कानून और प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, विद्यालय और समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है।

विद्यालयों में इस तरह के शिविर आयोजित होने से विद्यार्थियों को कम उम्र में ही कानूनी अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े विषयों की जानकारी मिलती है, इससे वे किसी भी अनुचित परिस्थिति को पहचानने और जरूरत पड़ने पर सहायता मांगने के प्रति जागरूक हो सकते हैं, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित यह पहल बच्चों तक विधिक जानकारी पहुंचाने और सुरक्षित बचपन की अवधारणा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है, चरचा के दोनों विद्यालयों में आयोजित शिविर इसी उद्देश्य की कड़ी रहा।

टीएस सिंहदेव के जन्मदिवस पर कांग्रेस ने लगाया रक्तदान शिविर, 19 यूनिट रक्त संग्रहित

ब्लॉक कांग्रेस कमिटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष जफर हैदर के नेतृत्व में जिला चिकित्सालय सूरजपुर में आयोजन, जरूरतमंद मरीजों की मदद और मानव सेवा का दिया संदेश

-संवाददाता-
सूरजपुर, 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं सरगुजा राजपरिवार के महाराजा टीएस सिंहदेव के जन्मदिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमिटी (ग्रामीण) की ओर से जिला चिकित्सालय सूरजपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में कार्यकर्ताओं और रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, शिविर के

दौरान कुल 19 यूनिट रक्तदान किया गया। आयोजन का उद्देश्य जन्मदिवस को सामाजिक सरोकार और जनसेवा से जोड़ते हुए जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना तथा आम नागरिकों में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा, इस दौरान रक्तदाताओं ने स्वैच्छ से रक्तदान कर मानव सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया, शिविर में रक्तदान के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया गया कि दुर्घटना, गंभीर बीमारी, ऑपरेशन और प्रसव जैसी आपातकालीन

परिस्थितियों में मरीजों को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है, ऐसे समय में स्वैच्छिक रक्तदाताओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण होता है, रक्त की समय पर उपलब्धता किसी जरूरतमंद मरीज के जीवन की रक्षा में निर्णायक भूमिका निभा सकती है, आयोजन के माध्यम से युवाओं और आम नागरिकों से अपील की गई कि वे रक्तदान को लेकर फैली भ्रमिताओं से दूर रहें और चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ होने पर स्वैच्छ से रक्तदान के लिए आगे आएँ, रक्तदान केवल एक

सामाजिक गतिविधि नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति को जीवन बचाने में सहयोग देने का मानवीय प्रयास है, इससे समाज में सहयोग, संवेदना और परस्पर सहायता की भावना भी मजबूत होती है, टीएस सिंहदेव के जन्मदिवस पर आयोजित इस शिविर के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विशेष अवसरों को जनकल्याण और समाजहित के कार्यों से जोड़ने का संदेश दिया, शिविर में एकत्रित 19 यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोगी साबित होगा,



नाम परिवर्तन सूचना

प्रारूप- (एक)

मैं दिव्य लक्ष्मी आ. श्री बुधन राम, उम्र 18 वर्ष, निवासी- ग्राम आरा, थाना- राजपुर, तहसील-राजपुर, जिला- बलरामपुर (छ.ग.) ने अपना नाम दिव्य लक्ष्मी (DIVY LAXMI) से बदल कर दिव्यालक्ष्मी प्रजापति (DIVYALAXMI PRA-JAPATI) रख लिया है।

सपथग्रहिता दिव्या

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति पर गंभीर सवाल, कलेक्टर से कथित फर्जी दस्तावेजों की जांच कराने की मांग

गरीबी रेखा प्रमाण-पत्र, राशन कार्ड और अनुभव प्रमाणपत्र की वैधता पर शिकायतकर्ता ने उठाए सवाल, नियुक्ति प्रक्रिया और दस्तावेजों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगी वास्तविक स्थिति

- रवि सिंह-

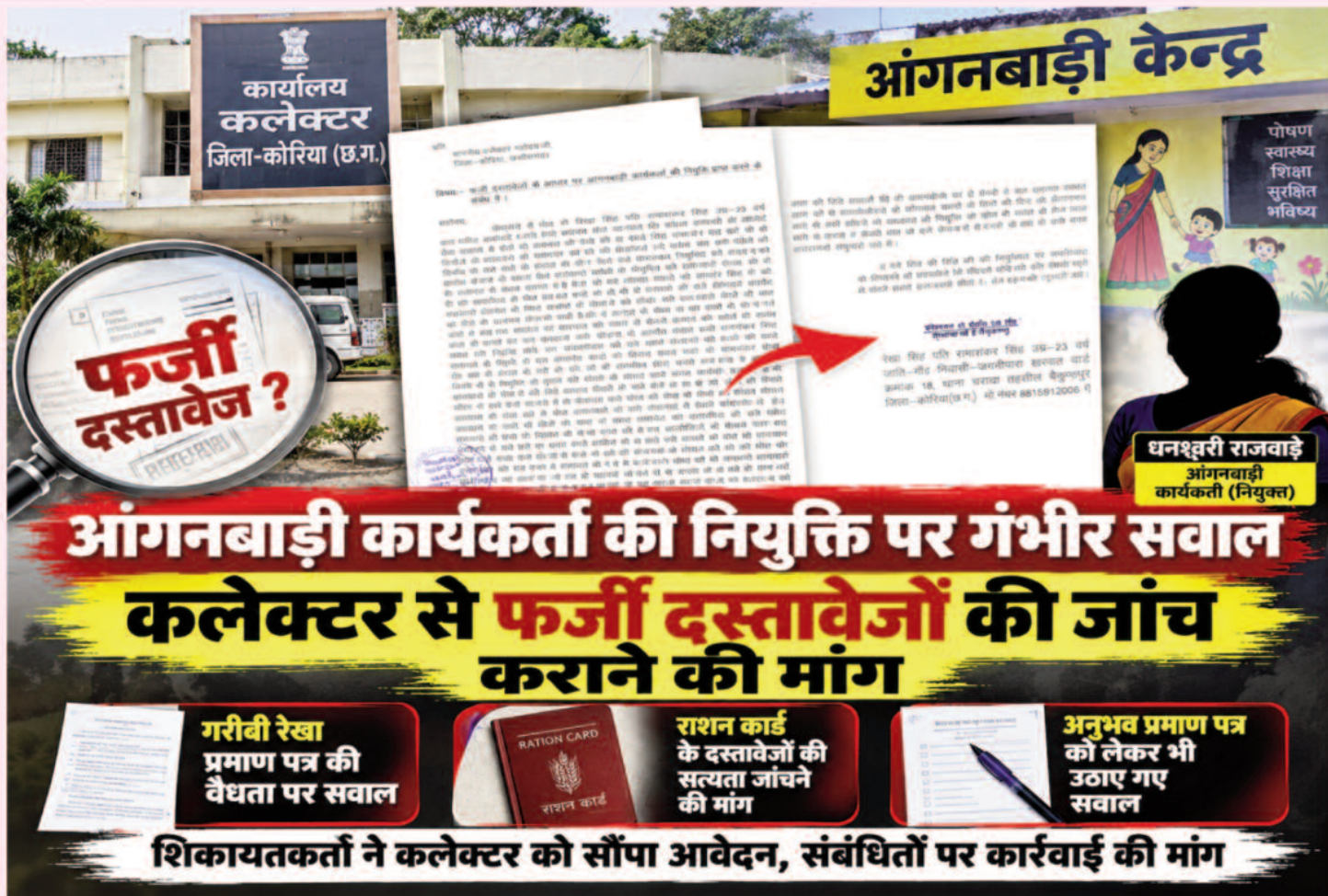
बैकुण्ठपुर, 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति को लेकर कथित फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल का मामला सामने आया है, इस संबंध में जिला कलेक्टर को शिकायत सौंपकर नियुक्ति में प्रस्तुत दस्तावेजों की वैधता की जांच कराने और संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है, शिकायत में गरीबी रेखा प्रमाणपत्र, राशन कार्ड और अनुभव प्रमाणपत्र को लेकर सवाल उठाए गए हैं, मामला सामने आने के बाद नियुक्ति प्रक्रिया में दस्तावेजों के सत्यापन और पात्रता की जांच को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता रेखा सिंह, पति रमाशंकर सिंह, निवासी ग्राम जमनीपारा, खैरवट वार्ड क्रमांक 18, थाना चरचा, तहसील बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया ने कलेक्टर को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति के लिए प्रस्तुत दस्तावेजों में कथित अनियमितताएं हैं, शिकायत के अनुसार, परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना बैकुण्ठपुर द्वारा 7 जुलाई 2026 को जारी नियुक्ति आदेश के संबंध में दस्तावेजों की जांच की मांग की गई है।

गरीबी रेखा प्रमाण-पत्र और राशन कार्ड पर उठाए सवाल...

शिकायत में धनश्री राजवाड़े के गरीबी रेखा प्रमाण-पत्र और राशन कार्ड से संबंधित विवरण पर सवाल उठाए गए हैं, आवेदन के अनुसार, गरीबी रेखा प्रमाण-पत्र के संबंध में वर्ष 2002 की सर्वे सूची में दर्ज सरल क्रमांक 17020 का उल्लेख करते हुए शिकायतकर्ता ने इसकी पात्रता और सत्यता की जांच कराने की मांग की है, शिकायतकर्ता का आरोप है कि प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति की पात्रता निर्धारित करने से पहले संबंधित अभिलेखों का मिलान किया जाना आवश्यक है, आवेदन में राशन कार्ड, गरीबी रेखा प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेजों के जारी होने की प्रक्रिया की जांच कराने का आग्रह किया गया है, हलांकि, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध दस्तावेजों से नहीं होती, इसलिए प्रमाण-पत्रों की वास्तविक स्थिति संबंधित विभागों के मूल अभिलेखों और आधिकारिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।



अनुभव प्रमाण-पत्र की वैधता भी जांच के दायरे में...

शिकायत में अनुभव प्रमाणपत्र को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं, आवेदन में दावा किया गया है कि धनश्री राजवाड़े द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाणपत्र की वैधता संदिग्ध है, शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि प्रमाण-पत्र में दर्ज अनुभव और संबंधित कार्यालय में पदस्थापना के विवरण का सत्यापन किया जाना चाहिए, आवेदन में बिलासपुर जिले के मस्तुरी विकासखंड के अंतर्गत एक घर में एक अप्रैल 2009 से 30 मई 2011 तक कार्य करने के अनुभव का उल्लेख किए जाने की बात भी कही गई है, शिकायतकर्ता ने इस अनुभव के संबंध में जारी प्रमाण-पत्र की वैधता तथा उसे जारी करने वाले कार्यालय के अधिकार और अभिलेखों की जांच की मांग की है, शिकायत में यह भी कहा गया है कि अनुभव प्रमाण-पत्र जारी करने वाले कार्यालय की आधिकारिक अभिलेख व्यवस्था में संबंधित पदस्थापना का उल्लेख उपलब्ध है या नहीं, इसकी पुष्टि की जानी चाहिए, यदि प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया अथवा उसमें दर्ज विवरण में कोई वििसंगति पाई जाती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है।

कलेक्टर से जांच और कार्रवाई की मांग...

शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि नियुक्ति में प्रस्तुत गरीबी रेखा प्रमाणपत्र, राशन कार्ड और अनुभव प्रमाण-पत्र की संबंधित विभागों से जांच कराई जाए, साथ ही, दस्तावेजों की सत्यता और नियुक्ति के लिए निर्धारित पात्रता की पुष्टि की जाए, आवेदन में कथित फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त किए जाने की आशंका जताते हुए संबंधित नियुक्ति प्रक्रिया की जांच कराने और जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की गई है।

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी स्थिति

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति से जुड़े इस मामले में अब प्रमुख सवाल यह है कि नियुक्ति के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन किस स्तर पर किया गया और क्या सभी प्रमाणपत्र संबंधित विभागों के मूल अभिलेखों से मिलान के बाद स्वीकार किए गए थे, यदि शिकायत में उठाए गए सवालों की पुष्टि होती है, तो नियुक्ति प्रक्रिया में दस्तावेजों के सत्यापन और पात्रता निर्धारण की जिम्मेदारी भी जांच के दायरे में आ सकती है, वहीं, आरोपों की पुष्टि होने से पहले किसी व्यक्ति या अधिकारी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा, भित्तबल शिकायतकर्ता ने कलेक्टर से दस्तावेजों की जांच कारगर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है, संबंधित प्रशासनिक विभाग की जांच और आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि नियुक्ति में कोई अनियमितता हुई है या नहीं।



वोट बचाओ-देश बचाओ की हुंकार लेकर दिल्ली कूच, कोरिया से 200 से अधिक कांग्रेसजन महारैली में होंगे शामिल

जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता और कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल के नेतृत्व में पहली टोली रवाना

1 नवंबर को रामलीला मैदान में जुटेंगे कांग्रेसजन, उपलब्ध रेल यात्री सूची में 22 नाम दर्ज

-संवाददाता-

कोरिया, 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

वोट चोरी के मुद्दे पर कांग्रेस के देशव्यापी 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महारैली में शामिल होने के लिए कोरिया जिले से कांग्रेसजनों का दिल्ली कूच शुरू हो गया है, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता एवं जिला कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल के नेतृत्व में पहली टोली के रूप में लगभग 22 कांग्रेसजन रवाना हुए हैं, पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों और कांग्रेस के अनुसंगिक संगठनों से 200 से अधिक कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि महारैली में शामिल होने दिल्ली पहुंचेंगे।

इस महारैली को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है, पार्टी नेताओं का कहना है कि यह अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मताधिकार, संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा का संकल्प है, कांग्रेस 'अपना वोट, अपना संविधान और अपना भविष्य' के नारे के साथ मतदाता



रोक-टोक का भी लगाया आरोप

अशोक जायसवाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली जाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रास्ते में कुछ रेलवे स्टेशनों पर जांच-पड़ताल और रोकने जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, उन्होंने दावा किया कि कार्यकर्ताओं को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं, इसके बावजूद लोग अलग-अलग माध्यमों से दिल्ली पहुंच रहे हैं, उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित राजनीतिक महारैली में शामिल होने जा रहे लोगों के साथ इस तरह की रोक-टोक क्यों की जा रही है, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं, पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता से जुड़े सवालों को लेकर पार्टी देशभर में अभियान चला रही है, दिल्ली की महारैली के जरिए इन मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर उठाया जाएगा, कोरिया जिले से 200 से अधिक कांग्रेसजनों की प्रस्तावित भागीदारी को संगठन अपनी राजनीतिक और सांगठनिक सक्रियता के रूप में देख रहा है, अब 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली महारैली में जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मौजूदगी पर सबकी निगाहें रहेंगी।

सूची की पारदर्शिता और निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की तैयारी में है, जिला कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल ने बताया कि जिले से

200 से अधिक कांग्रेसजन दिल्ली की महारैली में शामिल होने जा रहे हैं, अभी 22 लोगों की एक टोली रवाना हुई है, जबकि विभिन्न माध्यमों से अन्य कार्यकर्ता भी

दिल्ली पहुंचेंगे, उन्होंने कहा कि अपने वोट, संविधान और भविष्य की रक्षा के संकल्प के साथ जिले के विभिन्न अनुसंगिक संगठनों के पदाधिकारी भी दिल्ली कूच कर रहे हैं, दिल्ली रवाना होने वाले यात्रियों की में 22 लोगों शामिल हैं, जिसमें नरेश जायसवाल, सत्य प्रकाश विजय सिंह, दिल बंधु साहू, राजू भागत, सुरेश सिंह, रामकृष्ण साहू, अशोक जायसवाल, प्रदीप गुप्ता, विजरी लाल राजवाड़े, वशिष्ठ खान पार्षद, प्रमोद सिंघावी, कलावती मरकाम, नीता दे, राम शाय, राम कुमार, वसंत सिंह, निखिल खुशवाहा, शीतल प्रसाद और लालदास महंत शामिल हैं, जबकि कुछ यात्रियों के टिकट आरएससी श्रेणी में हैं, जिले से 200 से अधिक लोगों का रेली में शामिल होने का दावा किया जा रहा है।

विभिन्न मनोरंजक खेलों में प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

मनेन्द्रगढ़ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया असाटी दिवस समारोह, सामाजिक एकता और भाईचारे का दिया संदेश



शरद पूर्णिमा पर काली मंदिर परिसर में हुआ आयोजन, दीप प्रज्वलन और मातारानी की आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़, 31 अक्टूबर 2026
(घटती-घटना)।

सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव, सांस्कृतिक परंपराओं और सामूहिक सहभागिता के संदेश के साथ शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर मनेन्द्रगढ़ में असाटी दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, प्रतिवर्ष शरद पूर्णिमा पर मनाए जाने वाले इस विशेष आयोजन में असाटी समाज के सामाजिक बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, कार्यक्रम के दौरान धार्मिक अनुष्ठानों, मनोरंजक खेलों और सामाजिक संवाद के माध्यम से समाज की एकजुटता और पारस्परिक सौहार्द की भावना देखने को मिली, नगर के काली मंदिर परिसर में आयोजित समारोह में समाज के लोगों ने एकत्रित होकर असाटी दिवस की खुशियां साझा कीं, कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सदस्यों को एक मंच पर लाने, आपसी परिचय और मेलजोल को बढ़ावा देने तथा सामाजिक परंपराओं

के प्रति जुड़ाव को मजबूत करना रहा, पूरे आयोजन में उत्साह और आत्मीयता का माहौल बना रहा।

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

असाटी दिवस समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, इसके पश्चात काली मंदिर में विराजमान मातारानी की विधिवत आरती की गई, इस दौरान समाज के सभी उपस्थित बंधुओं ने सामूहिक रूप से आरती में भाग लेकर सुख, शांति, समृद्धि और समाज की खुशहाली की कामना की, धार्मिक वातावरण में संपन्न इस शुरुआत ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की, शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित समारोह में धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का भाव भी प्रमुखता से दिखाई दिया, समाज के लोगों ने एक-दूसरे को असाटी दिवस की शुभकामनाएं दीं और मिल-जुलकर त्योहार मनाने की परंपरा को आगे बढ़ाया।

हौजी सहित विभिन्न खेलों ने बढ़ाया समारोह का उत्साह

धार्मिक कार्यक्रम के बाद समारोह में मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया, इसमें हौजी सहित विभिन्न खेलों को शामिल किया गया, जिन्हें समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, खेलों के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला और कार्यक्रम का माहौल आनंदमय बना रहा, आयोजकों की ओर से खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विजेताओं को

समाज के पदाधिकारियों ने दी असाटी दिवस की शुभकामनाएं...

समारोह के दौरान मंच पर उपस्थित छत्तीसगढ़ असाटी समाज के उपाध्यक्ष अनोश गुप्ता, महिला समिति की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती भावना गुप्ता तथा महिला समिति मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता गुप्ता ने अपने उद्बोधन के माध्यम से सभी सामाजिक बंधुओं को असाटी दिवस की शुभकामनाएं दीं, वक्ताओं ने इस अवसर पर समाज के लोगों के बीच आपसी सहयोग, सद्भाव और एकजुटता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, इस प्रकार के सामूहिक आयोजन समाज को एक मंच पर लाने और नई पीढ़ी को अपनी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, महिला समिति की पदाधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता को भी रेखांकित किया, समाज के विकास और संगठनात्मक मजबूती में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी का अवसर मिलता है और समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समन्वय बढ़ता है।

समाज के वरिष्ठजनों और सदस्यों की रही उपस्थिति

असाटी दिवस समारोह में अखिल भारतीय असाटी समाज महासभा के पूर्व राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष सतीश गुप्ता सहित उमेश गुप्ता, नितिन गुप्ता, आशीष गुप्ता, रोहित गुप्ता, सिद्धार्थ गुप्ता और छोटेलाल असाटी उपस्थित रहे, इसके अलावा माया गुप्ता, शीला गुप्ता, गीता गुप्ता, सविता गुप्ता, अजना गुप्ता, अभिलेख गुप्ता, हेमलता गुप्ता, संगीता गुप्ता, अनामिका गुप्ता, साक्षी गुप्ता, स्वाति गुप्ता, सोमम गुप्ता और सिद्धि गुप्ता सहित समाज के अनेक सदस्य कार्यक्रम में शामिल हुए, सभी सामाजिक बंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया, कार्यक्रम के दौरान आपसी मेल-मिलाप, आत्मीयता और सामाजिक एकजुटता का वातावरण बना रहा।

पुरस्कृत किया गया। इस गतिविधि ने समारोह को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए सामाजिक मेलजोल और मनोरंजन का अवसर भी बनाया, बच्चों, महिलाओं और इतरों सहित समाज के सभी वर्गों के सदस्यों को शामिल करने में भी यही भावना प्रमुखता से देखने को मिली।

घटती घटना 17 अक्टूबर 2026
मृत किसान के नाम पर **KCC ऋण** का बड़ा खुलासा!
मृत्यु के बाद ऋण स्वीकृति और निकासी पर सवाल

घटती घटना 19 अक्टूबर 2026
वसुली का नोटिस आया, तब खुला मामला!
मृतक के नाम पर ऋण, निकासी और बैंक किकॉर्ड पर सवाल

घटती घटना 26 अक्टूबर 2026
पहली शिकायत के बाद **₹1.29 लाख जमा**
लेकिन हस्ताक्षरों की प्रामाणिकता पर उठे सवाल

घटती घटना 31 अक्टूबर 2026
अब चौथी खबर...
फिर नई शिकायत, फर्जी हस्ताक्षर और दबाव का आरोप

आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित
सोनपुर, पं. क्र.-580
जिला - सूरजपुर (छ.ग.)

मृत्यु के बाद भी किसने दिया ऋण ?
KCC ऋण स्वीकृति

देवी प्रसाद (शिकायतकर्ता)
मृतक हरीप्रसाद के पुत्र

जितवेश श्रीवास्तव (समिति कर्मचारी)
पर गंभीर आरोप

मृत्यु 10.05.2021

शिकायत वापस लेने के पत्र पर हस्ताक्षर किसके ?

जमा वाउचर पर हस्ताक्षर किसके ?

शिकायतकर्ता को परेशान किया, घर छोड़कर जाना पड़ा !

10.05.2021	25.05.2021	01.06.2021	03.06.2021	04.06.2021	11.06.2021	17.06.2021	21.06.2021	23.08.2021	2024	22.07.2024	26.07.2024	07.10.2026	14/15.10.2026	17.10.2026	21.10.2026	28.10.2026
मृत्यु	₹ 17,000 निकासी	₹ 75,000 KCC ऋण	₹ 49,000 निकासी	₹ 26,000 निकासी	₹ 54,000 KCC ऋण	₹ 49,000 निकासी	₹ 5,000 निकासी	₹ 18,500 निकासी	नोटिस ₹ 1,72,860	शिकायत (जनदर्शन)	₹ 1,29,000 जमा	नोटिस ₹ 64,512	दोबारा शिकायत	₹ 69,175 जमा	शिकायत वापसी पत्र	नई शिकायत (कलेक्टर व उप पंजीयक)

चार बार खबर, फिर भी नहीं खुला राज !

मृत किसान के नाम पर **KCC ऋण**, रकम की निकासी, तीन बार शिकायत, दो बार जमा... अब फर्जी हस्ताक्षरों का जाल !

चार बार खबर प्रकाशित, फिर भी कुंभकर्णी नौद में सहकारिता विभाग !

मृत किसान के नाम पर कर्ज, शिकायतकर्ता परेशान...आखिर किसके संरक्षण में फाइल खामोश?

मौत के बाद केसीसी ऋण का मामला ! चार खबरों के बाद भी जांच और कार्रवाई पर सल्लाटा

मृत किसान के नाम पर केसीसी ऋण का मामला, शिकायत के बाद दो बार रकम जमा—अब हस्ताक्षरों पर सवाल, कार्रवाई का इंतजार

मृत किसान के नाम पर ऋण, दो बार रकम जमा—अब शिकायत वापसी के हस्ताक्षर पर संग्राम !

चार खबरें बेअसर? मृत किसान के केसीसी ऋण मामले में कार्रवाई अब भी सवाल में !

मृत्यु के बाद ऋण स्वीकृति, खाते से रकम निकासी और शिकायत के बाद दोबारा भुगतान का आरोप

अब शिकायत वापसी के पत्र पर हस्ताक्षर को लेकर विवाद, आखिर जांच कहाँ अटकती?

— ऑर्कार पाण्डेय—

सूरजपुर/ सोनपुर, 30 अक्टूबर 2026 (घटती-घटना)।

एक किसान की मृत्यु के बाद उसके नाम पर चण्ड ऋण स्वीकृत होने का आरोप, बैंक खाते से रकम निकाले जाने के सवाल, शिकायत के बाद लाखों रुपये जमा होने का घटनाक्रम और फिर शिकायत वापस लेने के पत्र पर कथित हस्ताक्षर का विवाद—मामला एक नहीं, कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। हैरानी यह है कि दैनिक घटती-घटना में इस प्रकार को लेकर चार बार खबर प्रकाशित होने के बावजूद अब तक जांच और कार्रवाई की स्थिति सार्वजनिक रूप से स्पष्ट नहीं हो सकी है, आखिर सहकारिता विभाग किसका इंतजार कर रहा है? दस्तावेजों में दर्ज तारीखों और रकम का मिलान करने में इतना वक्त क्यों लग रहा है? और यदि शिकायत में लगाए गए आरोप गलत हैं, तो विभाग जांच के निष्कर्ष सामने क्यों नहीं रखता?

सोनपुर स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित, पंजीयन क्रमांक 580 से जुड़ा यह मामला केवल एक ऋण खाते का विवाद नहीं रह गया है, शिकायतकर्ता देवी प्रसाद ने अपने दिवंगत पिता हरिप्रसाद के नाम पर मृत्यु के बाद चण्ड ऋण स्वीकृत किए जाने, खाते से राशि निकाले जाने तथा शिकायत के बाद जमा की गई रकम और शिकायत वापसी के पत्र पर हस्ताक्षर को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं, इन आरोपों की स्वतंत्र जांच और संबंधित बैंक रिकॉर्ड का सत्यापन जरूरी है, अभी इन आरोपों को जांच में प्रमाणित तथ्य नहीं माना जा सकता, लेकिन उनकी गंभीरता ऐसी है कि जिम्मेदार विभागों की चुप्पी अपने आप में जवाबदेही का सवाल बन गई है।

10 मई 2021 को मृत्यु, फिर जून में ऋण स्वीकृति कैसे?

शिकायत में दर्ज विवरण के अनुसार हरिप्रसाद की मृत्यु 10 मई 2021 को हुई थी, इसके बाद भी उनके नाम पर चण्ड ऋण स्वीकृत होने का आरोप लगाया गया है, उपलब्ध विवरण में 1 जून 2021 को ₹75,000 और 11 जून 2021 को ₹54,000 की ऋण स्वीकृति दर्ज होने की बात कही गई है, दोनों राशियों का कुल योग ₹1,29,000 है, यहीं से मामले का सबसे गंभीर सवाल सामने आता है—यदि खाताधारक की प्रकृति किस आधार पर पूरी हुई? आवेदन किसने दिया? आवश्यक दस्तावेज किसने प्रस्तुत किए? ऋण स्वीकृति के समय सत्यापन किस कर्मचारी या अधिकारी ने किया? क्या मृत्यु की जानकारी संबंधित समिति और बैंक को थी? और यदि थी, तो उसके बाद ऋण

मौत के बाद केसीसी ऋण का बड़ा घोटाला!
अब शिकायतकर्ता पर समझौते का दबाव?

मौत के बाद केसीसी ऋण का आरोप, अब शिकायतकर्ता पर समझौते का दबाव!

मृत्यु के बाद केसीसी ऋण का आरोप, अब शिकायतकर्ता पर समझौते का दबाव!

शिकायत वापस लेने का दबाव क्यों?
मृतक के नाम **KCC ऋण** प्रकरण में शिकायतकर्ता को लक्ष्मी और प्रतीक के आरोप

मृत्यु के बाद भी खाते में 'जिंद' रख लेने-देने ! हरिप्रसाद के नाम पर केसीसी ऋण और नकद निकासी ने खड़े किए गंभीर सवाल

मृत किसान के नाम ऋण, शिकायत के बाद जमा रकम!
मृत्यु के बाद ऋण स्वीकृति, खाते से रकम निकासी और शिकायत के बाद दोबारा भुगतान का आरोप

मौत के बाद केसीसी ऋण! शिकायत हुई तो जमा हुए लाखों, फिर शिकायत पर फिर जमा हुई रकम

मृत किसान के नाम पर KCC ऋण !
मृत्यु के बाद ऋण स्वीकृति, खाते से रकम निकासी और शिकायत के बाद दोबारा भुगतान का आरोप

मृत किसान के नाम पर ऋण ! दो बार रकम जमा, अब हस्ताक्षरों पर संग्राम

पहले ऋण का विवाद, फिर रकम जमा, चार खबरें छपीं, जिम्मेदारों की चुप्पी नहीं टूटी !

स्वीकृत करने की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ी? ऋण आवेदन, स्वीकृति आदेश, संबंधित रजिस्टर, बैंक खाते का विवरण, भुगतान वाउचर और उपलब्ध हस्ताक्षरों की जांच से ही स्थिति स्पष्ट हो सकती है पर जांच कब होगी?

मृत्यु के बाद खाते से निकासी का भी सवाल

शिकायत में प्रस्तुत विवरण में 25 मई 2021 को ₹17,000 की निकासी का उल्लेख है, इसके बाद 3 जून को ₹49,000, 4 जून को ₹26,000, 17 जून को ₹49,000, 21 जून को ₹5,000 और 23 अगस्त 2021 को ₹18,500 निकाले जाने की प्रविष्टियां भी बताई गई हैं, इन प्रविष्टियों को बैंक के मूल रिकॉर्ड से सत्यापित किया जाना आवश्यक है, यह भी जांच का विषय है कि प्रत्येक निकासी किस माध्यम से हुई, भुगतान कैसे किया गया, संबंधित वाउचर पर किसके हस्ताक्षर हैं और रकम निकालने वाले व्यक्ति की पहचान कैसे दर्ज की गई? लेकिन खाताधारक की मृत्यु और बाद की वित्तीय गतिविधियों के बीच संबंध की जांच किए बिना मामले को सामान्य ऋण विवाद मानकर छोड़ना भी उचित नहीं होगा।

2024 में बकाया नोटिस, शिकायत के बाद 1.29 लाख जमा

शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2024 में उन्हें ₹1,72,860 के बकाया ऋण का नोटिस मिला, उनका कहना है कि इसी दौरान उन्हें अपने दिवंगत पिता के नाम पर ऋण होने की जानकारी मिली और उन्होंने 22 जुलाई 2024 को जनदर्शन में शिकायत की, शिकायत में आगे आरोप है कि 26 जुलाई 2024 को समिति के कर्मचारी जितवेश श्रीवास्तव उन्हें बैंक ले गए, जहां ₹1,29,000 जमा किए गए, इस घटनाक्रम के बाद शिकायत वापस लिए जाने की

बात भी सामने आई, अब सवाल यह है कि यदि ऋण की स्वीकृति और निकासी पूरी तरह नियमानुसार हुई थी, तो शिकायत के बाद इतनी बड़ी राशि जमा करने की परिस्थितियां क्या थी? यह भुगतान किस मद में दर्ज किया गया? किसने जमा किया और किसके निर्देश पर? क्या राशि जमा होने के बाद ऋण खाते का विवरण मिलान हुआ? रकम जमा होना अपने आप में किसी आरोप की पुष्टि नहीं है लेकिन शिकायत, भुगतान और कथित शिकायत-वापसी के घटनाक्रम का आपसी संबंध जांच के दायरे में आना चाहिए।

2026 में फिर बकाया नोटिस फिर 69,175 जमा

मामला यहीं समाप्त नहीं हुआ, शिकायतकर्ता के अनुसार 7 अक्टूबर 2026 को समिति की ओर से ₹64,512 बकाया होने का नोटिस दिया गया, उनका आरोप है कि अक्टूबर में दोबारा शिकायत करने के बाद 17 अक्टूबर 2026 को ₹69,175 जमा करके गए, शिकायतकर्ता का कहना है कि यह राशि उनकी जानकारी और सहमति के बिना जमा की गई, इस घटनाक्रम से एक और महत्वपूर्ण प्रश्न पैदा होता है—यदि 2024 में ₹1,29,000 जमा हो चुके थे, तो 2026 में फिर ₹64,512 का बकाया किस गणना के आधार पर निकाला गया? जमा हुई राशि का समायोजन किस खाते में किया गया? ब्याज और अन्य मदों का हिसाब किस नियम के तहत तैयार हुआ? और 17 अक्टूबर 2026 को ₹69,175 जमा करने का निर्णय किसने लिया? इन सवालों का जवाब ऋण खाते के पूर्ण विवरण, लेजर, बैंक स्टेटमेंट और जमा वाउचर से मिलना चाहिए, विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि रकम जमा होने के बाद बकाया राशि का निर्धारण कैसे किया गया और संबंधित भुगतान के लिए किसकी सहमति या

अनुमति दर्ज है।

शिकायत वापसी के पत्र पर हस्ताक्षर का विवाद

शिकायतकर्ता देवी प्रसाद ने 26 अक्टूबर 2026 को कलेक्टर सूरजपुर को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि 21 अक्टूबर 2026 को उनकी ओर से शिकायत वापसी का पत्र भेजा गया, जबकि उस पर किए गए हस्ताक्षर उनके नहीं हैं, उन्होंने जमा वाउचर और शिकायत वापसी के पत्र पर हस्ताक्षर की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठाए हैं, शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके हस्ताक्षर का इस्तेमाल उनकी सहमति के बिना किया गया, यह आरोप गंभीर है, लेकिन इसका निष्कर्ष केवल देखने भर से नहीं निकाला जा सकता, मूल शिकायत, जमा वाउचर और कथित शिकायत-वापसी पत्र को सुरक्षित रखकर स्वतंत्र हस्तलेखन परीक्षण कराया जाना चाहिए, संबंधित बैंक और समिति के रिकॉर्ड से यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि दस्तावेज किसने प्रस्तुत किए, किसने स्वीकार किए और शिकायत वापस लेने की प्रक्रिया किसके सामने पूरी हुई, यदि हस्ताक्षर वास्तविक पाए जाते हैं, तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि शिकायतकर्ता ने किस परिस्थिति में पत्र दिया, यदि हस्ताक्षर उनके नहीं पाए जाते, तो यह जांचना आवश्यक होगा कि दस्तावेज किसने तैयार किया और उसे कार्यालयी रिकॉर्ड में किस आधार पर स्वीकार किया गया, दोनों स्थितियों में दस्तावेजी सत्यापन जरूरी है।

शिकायतकर्ता ने उत्पीड़न का भी लगाया आरोप

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामले को लेकर उन पर दबाव बनाया गया और उन्हें इस कदर परेशान किया गया कि उन्हें घर छोड़कर जाना पड़ा, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि अभी

कलेक्टर और उप पंजीयक से सीधे सवाल, कलेक्टर सूरजपुर और उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं के सामने अब कुछ सीधे सवाल हैं...

- क्या 26 अक्टूबर 2026 के शिकायत आवेदन पर विधिवत जांच दर्ज की गई है? यदि हां, तो जांच अधिकारी कौन है?
 - क्या हरिप्रसाद की मृत्यु प्रमाणित करने वाले दस्तावेज का ऋण स्वीकृति की तारीखों से मिलान किया गया?
 - क्या जून और अगस्त 2021 की बताई गई बैंक निकासी का मूल रिकॉर्ड मंगाया गया?
 - वर्ष 2024 में ₹1.29 लाख जमा होने और अक्टूबर 2026 में ₹69,175 जमा होने के कारणों की जांच हुई?
 - शिकायत वापसी के पत्र और जमा वाउचर पर हस्ताक्षरों का स्वतंत्र परीक्षण कराने का निर्णय लिया गया है या नहीं?
 - क्या शिकायतकर्ता के उत्पीड़न और दबाव संबंधी आरोपों की भी जांच की जा रही है?
 - अब तक की जांच में क्या तथ्य सामने आए हैं और अगली कार्रवाई की समय-सीमा क्या है?
- इन सवालों का जवाब देना किसी अधिकारी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन और सहकारी ऋण व्यवस्था से जुड़े मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

अब कागजी औपचारिकता नहीं, तथ्यात्मक जवाब चाहिए...

सोनपुर सहकारी समिति से जुड़े इस मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच के बाद ही निकलेगा, लेकिन मृत्यु की तारीख, ऋण स्वीकृति की तारीखें, बैंक निकासी की प्रविष्टियां, बकाया नोटिस और शिकायत के बाद हुए भुगतान—इन सबका दस्तावेजी मिलान कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है, अब जरूरत केवल एक और आवेदन प्राप्त कर फाइल में रख देने की नहीं, बल्कि यह बताने की है कि शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई। यदि आरोपों में दम नहीं है, तो जांच रिपोर्ट सामने आए, यदि रिकॉर्ड में अनियमितता मिलती है, तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय हो, और यदि हस्ताक्षर संबंधी विवाद है, तो उसका निष्पक्ष परीक्षण कराया जाए, तीन बार खबर प्रकाशित होने के बाद भी सवाल कायम हैं, अब देखा जा रहा है कि सहकारिता विभाग इन सवालों का जवाब दस्तावेजों से देता है या मामला फिर नोटिस, आवेदन और आश्वासन के बीच उलझा रहता है।

आवश्यक है, संबंधित शिकायतों, पुलिस रिकॉर्ड, उपलब्ध गवाहों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर इसकी जांच होनी चाहिए, यदि किसी शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत पर कार्रवाई करने के बजाय दबाव या भय का सामना करना पड़ रहा है, तो यह प्रशासनिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है, वहीं, आरोपों की निष्पक्ष जांच और संबंधित पक्षों का जवाब लेना भी उतना ही जरूरी है, प्रशासन को शिकायतकर्ता की सुझा संबंधी चिंता हो तो उसे भी गंभीरता से देखना चाहिए।

चार खबरें प्रकाशित, फिर भी कार्रवाई का स्पष्ट विवरण कहाँ?

इस प्रकार को लेकर दैनिक घटती-घटना में 17 अक्टूबर, 19 अक्टूबर, 26 अक्टूबर और 31 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित समाचारों में अलग-अलग पहलुओं को सामने लाया गया, खबरों में मृत्यु के बाद ऋण स्वीकृति, खाते से निकासी, बकाया राशि, शिकायत के बाद भुगतान और शिकायत वापसी के कथित दस्तावेज पर सवाल उठाए गए, इसके बावजूद अब तक उपलब्ध जानकारी में ऐसी कोई स्पष्ट कार्रवाई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिससे पता चले कि विभाग ने शिकायत पर क्या जांच की, किन दस्तावेजों का परीक्षण किया और क्या निष्कर्ष निकाला, यदि जांच शुरू हो चुकी है, तो उसकी वर्तमान स्थिति बताई जानी चाहिए, यदि जांच शुरू नहीं हुई, तो इसकी वजह स्पष्ट होनी चाहिए, और यदि शिकायत निराधार पाई गई है, तो जांच के निष्कर्ष और आधार सार्वजनिक किए जाने चाहिए, समाचार प्रकाशित होने मात्र से आरोप साबित नहीं होते हैं, लेकिन बार-बार सामने आ रहे दस्तावेजी सवालों की अनदेखी भी नहीं की जा सकती, विभाग का दायित्व है कि वह आरोपों की निष्पक्ष जांच कर तथ्य सामने रखे—न किसी को पहले से दोषी ठहराए, न शिकायत को बिना परीक्षण के खारिज करे।

छत्तीसगढ़ के 15 पुलिसकर्मियों को मिलेगा केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक



रायपुर,31 अक्टूबर 2026। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वर्ष 2026 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक देने की घोषणा की है। इसमें छत्तीसगढ़ के 15 पुलिस अधिकारी और जवानों के नाम शामिल हैं। इन सभी का चयन स्पेशल ऑपरेशन के लिए किया गया है। सूची में एसपी राबिन्सन गुरिया, एडिशनल एसपी अश्वय प्रमोद साबद्रा और अजय कुमार सहित पुलिस के अलग-अलग रैंक के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। गृह मंत्रालय की ओर से 31 अक्टूबर 2026 को जारी आदेश के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के इन पुलिसकर्मियों को 22 सितंबर 2025 को किए गए ऑपरेशन के लिए पदक दिया जाएगा।

सुरक्षाबलों को जंगल में मिला नक्सलियों का डंप,विस्फोटक और हथियार बरामद



कांकेर,31 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने जंगल से नक्सलियों का डम्प सामान बरामद किया है। इसी के साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आईडी और अन्य विस्फोटकों को मौक पर ही नष्ट किया गया। दरअसल, यह पूरा मामला छोटेबेलिया थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों ने राहान मेहड़ा और माचपल्ली के बीच जंगल-पहाड़ी इलाके में डंप छिपा रखा था, जिसे आज जिला बल, बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम ने बरामद कर लिया। इस दौरान मौके से 2 भरमार बंदूक, 24 बीजीएल सेल, वायरलेस सेट, जीपीएस, नक्सल साहित्य और करीब 2 किलो वजनी आईडी पैकेट सहित विस्फोटक सामग्री बरामद किया। इसी के साथ ही सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आईडी और अन्य विस्फोटकों को मौके पर नष्ट किया गया।

दुर्ग में जब्त 4 करोड़ लौटाने कारोबारी की याचिका खारिज



दुर्ग-भिलाई,31 अक्टूबर 2026। दुर्ग में जब्त 4 करोड़ रुपए वापस मांगने पहुंचे कारोबारी कमलेश आर. शाह को कोर्ट से राहत नहीं मिली। शाह ने रकम लौटाने के लिए दो आवेदन लगाए थे। उनका दावा था कि उनके बैंक खाते में 53 करोड़ रुपए से ज्यादा हैं और जब्त रकम उनकी है। शुक्रवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अंजली सिंह की कोर्ट ने दोनों आवेदन खारिज कर दिए। कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच आयकर विभाग कर रहा है। जांच पूरी होने तक जब्त रकम कारोबारी को वापस नहीं दी जा सकती। फैसले में कोर्ट ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के पुराने फैसलों का भी हवाला दिया। दरअसल, खुर्सीपुर पुलिस को 25 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे सूचना मिली थी। इसके बाद रायपुर-दुर्ग मुख्य मार्ग पर वाहन जांच के दौरान सफेद रंग की बोलेरो मैक्स पिकअप (सीजी04क्यूयू 5996) को रोकता गया। यह रायपुर से नागपुर जा रही थी। पुलिस ने पिकअप की जांच की तो उसका पिछला हिस्सा बदला मिला। इसे इस तरह बंद किया गया था कि, अंदर रखी चीजें बाहर से दिखाई न दें। बारीकी से तलाशी लेने पर पिछले हिस्से में सीक्रेट चेंबर मिला। इसे खोलने पर अंदर कैश रखा हुआ था। गिनती करने पर पुलिस को 500, 200 और 100 रुपए के नोटों में कुल 4 करोड़ रुपए मिले। पुलिस के अनुसार, पिकअप में दो लोग सवार थे। उनकी पहचान भवेशभाई जीनाभाई डाभी और विष्णुदेव दुबे के रूप में हुई है। डाभी गाड़ी चला रहा था।

बिलासपुर में भाजपा की ‘लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ’ पदयात्रा

केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार,तोखन साहू और डिप्टी सीएम अरुण साव हुए शामिल,कार्यकर्ताओं ने की नारेबाजी

बिलासपुर,31 अक्टूबर 2026। बिलासपुर में शनिवार को भाजपा की ‘लोकतंत्र बचाओ,अराजकता हटाओ’ पदयात्रा निकाली गई। गांधी चौक स्थित गवर्नमेंट स्कूल से शुरू हुई इस पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक,केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू,डिप्टी सीएम अरुण साव, वरिष्ठ नेता धरमलाल कौशिक,अमर अग्रवाल,विधायक सुरशांत शुक्ला और महगौर पूजा विधानी समेत भाजपा के कई नेता शामिल हुए। जिलेभर से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी पहुंचे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। भाजपा ने पदयात्रा में 10 हजार से ज्यादा लोगों के शामिल होने का दावा किया। पदयात्रा के जरिए भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया के समर्थन में विपक्ष पर निशाना साधा। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर अराजकता फैलाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बनाए रखना जरूरी है।

राज्योत्सव में कांग्रेस की नैतजीवूदगी पर साधा निशाना

पदयात्रा के दौरान डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरा छत्तीसगढ़ राज्योत्सव मनाएगा और खुशियां मनाएगा, लेकिन कांग्रेसी छत्तीसगढ़ से गायब रहेंगे। यह बताता है कि कांग्रेस की



छत्तीसगढ़ के प्रति कितनी निष्ठा,श्रद्धा और आस्था है!,अरुण साव ने कांग्रेस पर दिल्ली जाकर देश के खिलाफ अराजकता फैलाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया छत्तीसगढ़ के प्रति उसकी सोच को दिखाता है।

दरअसल, वोट चोरी के आरोपों को लेकर कांग्रेस लगातार केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। सरकार पर हमलों के बीच अब भाजपा ने भी ‘लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा’ के जरिए सियासी मोर्चा खोल दी है। अब तक कांग्रेस जिस मुद्दे को लेकर भाजपा को घेर रही थी, उसी लोकतंत्र के सवाल पर भाजपा भी जनता के बीच पहुंचने की रणनीति में है। ऐसे में आने वाले दिनों में लोकतंत्र, मताधिकार और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर

कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने की रणनीति

कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि,चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ियों के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रदर्शन और जनसंपर्क अभियान के जरिए इस मुद्दे को राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने की कोशिश की जा रही है। अब भाजपा की लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा को इसी राजनीतिक लड़ाई के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा भी पदयात्रा के माध्यम से जनता के बीच अपनी बात रखने और कांग्रेस के आरोपों का जवाब दे रही है।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 : छत्तीसगढ़ के 26 वर्ष पूर्ण होने पर आज से होंगे भव्य आयोजन

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से लेकर अमित शाह करेंगे शिरकत

रायपुर,31 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के गौरवशाली 26 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 1 से 3 नवंबर तक नवा रायपुर अटल नगर स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर (मेला ग्राउंड) में भव्य राज्योत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनसामर्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प को समर्पित होगा। इस वर्ष राज्योत्सव की मुख्य थीम ‘सशक्त नारी, युवा उड़ान’ रखी गई है, जो महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और युवाओं के लिए नए आजीविका अवसरों को रेखांकित करती है।

तीन दिवसीय इस राज्योत्सव का शुभारंभ आज से होगा। शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया होंगे। इसके बाद 2 नवंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेश ठेंका मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।



वहीं, 3 नवंबर को आयोजित होने वाले भव्य समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह होंगे। राजधानी के अलावा प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में भी 2 नवंबर को राज्योत्सव के जिला-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

30 से अधिक विभागों के स्टॉल और आकर्षण के केंद्र : राज्योत्सव

स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगभग 30 और अन्य संस्थानों के 15 सहित कुल 45 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इन प्रदर्शनियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की पारंपरिक छत्तीसगढ़ी गहनों, मंदिरों की कलात्मक झलकियों और लोककला का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। आयोजन के मुख्य आकर्षणों में विभागीय विकास प्रदर्शनियां, लोककला एवं शिल्प, देश के

दीपावली-छठ पर रेलवे चलाएगा दो स्पेशल ट्रेनें

गोंदिया-पटना के बीच 3-3 फेरे,दुर्ग से दिल्ली के लिए 2 नवंबर को चलेगी एक फेस्टिवल ट्रेन

रायपुर,31 अक्टूबर 2026। दीपावली और छठ पर्व के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। इनमें गोंदिया-पटना के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे लगाएगी। वहीं,दुर्ग से दिल्ली जंक्शन के लिए एक तरफा फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इन ट्रेनों के चलने से त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त यात्रा सुविधा और कंफर्म बर्थ मिल सकेगी।

गोंदिया-पटना के बीच नवंबर में चलेगी ट्रेनें : गाड़ी संख्या 08895 गोंदिया-पटना पूजा स्पेशल ट्रेन 6 से 20 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को गोंदिया से दोपहर 12:30 बजे रवाना होगी और अगले दिन शाम 4:30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 08896 पटना-गोंदिया पूजा स्पेशल ट्रेन 7 से 21 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को



छत्तीसगढ़ के 9 स्टेशनों पर होगा छठराव

गोंदिया-पटना पूजा स्पेशल ट्रेन को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, डोंगराढ़, राजनांदगांव, दुर्ग, रायपुर, भाटापारा, बिलासपुर, चांपा और रायगढ़ स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है। इसके अलावा ट्रेन झारसुगुड़ा, राउकेला, हटिया, रांची, मूरी, बोकारो स्टील सिटी, चंद्रपुरा, धनबाद, चितरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाड़ा, जमुई, किडल और राजेंद्रनगर टर्मिनल पर भी रुकेगी। इस ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे। इनमें 10 स्लीपर, 3 एसी थर्ड, 1 एसी सेकंड, 4 सामान्य और 2 एसएलआरडी कोच शामिल हैं।

पटना से शाम 6:10 बजे रवाना

होगी और तीसरे दिन सुबह 3

बजे गोंदिया पहुंचेगी। दोनों

दिशाओं में ट्रेन के 3-3 फेरे होंगे।

दुर्ग से दिल्ली के लिए 2

नवंबर को स्पेशल ट्रेन :

दीपावली पर यात्रियों की सुविधा

के लिए दुर्ग-दिल्ली जंक्शन के

डीएमएफ घोटाले में 31 करोड़ की संपत्ति अटैच...17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पेश,अब तक 4 गिरफ्तार

रायपुर,31 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के डीएमएफ फंड घोटाले में ईडी ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने आरोपियों की 31.70 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्तियां अटैच की है। इसके लिए 29 अक्टूबर 2026 को प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किया गया। वहीं, 30 अक्टूबर को कारोबारी सतपाल सिंह चावड़ा, मंदीप चावला समेत 17 आरोपियों के खिलाफ रायपुर की विशेष पीएमएलए कोर्ट में पूरक चार्जशीट दाखिल की है। ईडी की जांच में सरकारी कर्मचारियों और बिचौलियों के सिंडिकेट के जरिए डीएमएफ फंड के काम दिलाने के बदले 25 से

50% तक कमीशन वसूलने का खुलासा हुआ है। एजेंसी के मुताबिक, इस मामले में अब तक करीब 50 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच की जा चुकी है और आईएएस अधिकारी राम साहू समेत चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

यह मामला छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम (बीज निगम) के जरिए डीएमएफ फंड के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है। ईडी की जांच में सामने आया है कि खनन प्रभावित क्षेत्रों और वहां रहने वाले लोगों के विकास और कल्याण के लिए इस्तेमाल होने वाली राशि का सुनियोजित तरीके से दुरुपयोग किया गया।



सरकारी कर्मचारियों और बिचौलियों का सिंडिकेट सक्रिय : ईडी के मुताबिक, इस पूरे मामले में सरकारी कर्मचारी और एजेंट-बिचौलियों का एक संगठित सिंडिकेट काम कर रहा था। इस

सिंडिकेट के जरिए डीएमएफ फंड से ऐसे काम मंजूर कराए जाते थे, जिनमें सामान की सप्लाई होनी थी। इन कामों में सामान की कीमत बढ़ाकर दिखाई जाती थी और इसके बदले कंपनियों से मोटा कमीशन लिया जाता था।

जांच में पता चला कि रेट कॉन्ट्रैक्ट होल्डर कंपनियों को जारी किए गए परचेज ऑर्डर की मूल कीमत पर 25 से 50 प्रतिशत तक कमीशन वसूला जाता था। इस कमीशन का बड़ा हिस्सा सरकारी कर्मचारियों और प्रभावशाली लोगों तक पहुंचाया जाता था। इसके बदले डीएमएफ फंड से काम आवंटित कराने, परचेज

ऑर्डर जारी कराने और भुगतान जारी कराने में मदद की जाती थी। ईडी के अनुसार, कमीशन की रकम नकद और बैंक खातों के जरिए ली जाती थी। बाद में अलग-अलग कंपनियों और बैंक खातों के माध्यम से इस पैसे को दूसरी जगह भेजा जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि बीज निगम के जरिए डीएमएफ के अलावा दूसरे सरकारी फंड से सामान खरीदने में भी इसी तरह कमीशन लिया जाता था। ईडी की जांच में कारोबारी सतपाल सिंह चावड़ा की भूमिका मुख्य बिचौलियों और वित्तीय समन्वयकों में से एक के रूप में सामने आई है।

सरेंडर नक्सली जंगल से 21 लाख रुपए निकालते पकड़ी गई गरियाबंद पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया

गरियाबंद,31 अक्टूबर 2026। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के राजाडोरा जंगल में जमीन के अंदर छिपाकर रखे गए 21 लाख रुपए के नकद डंप को निकालने पहुंचे दो महिला सरेंडर नक्सलियों समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक,यह रकम नक्सली संगठन ने ठेकेदारों और आम नागरिकों को डराकर अवैध वसूली के जरिए जुटाई थी। यह मामला मैनपुर थाना क्षेत्र का है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं ने शासन की पुनर्वास नीति के तहत सरेंडर किया था। पुलिस का कहना है कि इसके बावजूद वे नक्सली संगठन के लिए छिपाई गई रकम निकालने की योजना बना रही थीं।

जंगल से बैग लेकर लौट रहे थे तीनों, पुलिस ने पकड़ा : पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग राजाडोरा पहाड़ी के पास जंगल में छिपाकर रखी गई रकम निकालने पहुंचने वाले हैं। इसके आधार पर मैनपुर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की। इसी दौरान जंगल से बैग लेकर लौट रहे सदियों ने पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास किया। हालांकि,पुलिस टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास मिले काले रंग के बैग में एक टिफिन रखा मिला। इसमें 500-500 रुपए के नोटों के बंडल थे। पुलिस ने कुल 21 लाख रुपए नकद बरामद किए। इसके



अलावा तीन मोबाइल फोन और एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में सिंगे उर्फ रोशनी निवासी ग्राम गामगुलावर,जिला सुकमा शामिल है। वह नक्सली कमांडर चलपति की गाई रह चुकी है। दूसरी आरोपी बुधरी मुचाकी उर्फ बुदरी उर्फ सोनी निवासी एटेगुड़ा,जिला सुकमा है,जिसे सीनापाली दलम की पूर्व कमांडर बताया गया है। तीसरा आरोपी नोहर भरकाम निवासी ग्राम भुतेबुडे, थाना मैनपुर है। पुलिस ने उसे नक्सलियों का सहयोगी बताया है। पुलिस के मुताबिक, पुछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद 21 लाख रुपए वर्ष 2024 में नक्सली कमांडर चलपति ने राजाडोरा जंगल में पहाड़ी के पास जमीन के अंदर छिपाकर रखे थे। यह रकम ठेकेदारों और आम लोगों को डराने-धमकाने के बाद अवैध वसूली के जरिए जुटाई गई थी।





छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

राज्योत्सव

2026

सशक्त नारी, युवा उड़ा

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

**01** नवंबर
2026

शुभारंभ समारोह

मुख्य अतिथि

डॉ. मनसुख मांडविया
माननीय केंद्रीय श्रम एवं रोजगार,
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

राज्योत्सव मैदान
नवा रायपुर अटल नगर
(छत्तीसगढ़)

विशिष्ट अतिथि

डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा

श्री तोखन साहू
माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री, भारत सरकार

श्री अरुण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

एवं

समस्त माननीय मंत्री, सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण
माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।



छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की

सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं...

पीएम आवास योजना
24.54 लाख से अधिक ग्रामीण
परिवारों को पक्की छत

कृषक कल्याणकारी
योजनाओं से
₹1.5 लाख करोड़ से
अधिक की राशि किसानों
को अंतरित

डेस्टिनेशन छत्तीसगढ़
छत्तीसगढ़ में पर्यटन को
उद्योग का दर्जा ट्राइबल हेरिटेज
व ईको टूरिज्म को बढ़ावा

सड़कों का विकास
₹40 हजार करोड़ से अधिक की
लागत से राजमार्गों का विकास

महतारी वंदन योजना
68 लाख महिलाओं को ₹20,708 करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

इन्वेस्ट छत्तीसगढ़
₹8.60 लाख करोड़ से
अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

रेलवे का विस्तार
₹54,000 करोड़ की
रेल परियोजनाओं का
क्रियान्वयन

जनजातीय प्रतिभाओं
को प्रोत्साहन
बस्तर एवं सरगुजा ओलंपिक,
बस्तर पण्डुम का निरंतर आयोजन

विकास
विश्वास
विजन

संवर रहा
छत्तीसगढ़

सेवा सेतु 38 विभागों की 953 सेवाएं
एक ही प्लेटफॉर्म पर

 हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

 सीएम हेल्पलाइन 1076
हर शिकायत की सुनवाई
हर समस्या का समाधान

दैनिक घटती-घटना के 23वां व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

भईया लाल राजवाड़े
विधायक बैकुण्ठपुर कोरिया

दैनिक घटती-घटना के 23वां व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

गुलाब कमरो
पूर्व सरगुजा विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष
(राज्यमंत्री) विधायक भरतपुर सोनहत
जिला-कोरिया (छ.ग.)

दैनिक घटती-घटना के 23वां व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

श्याम बिहारी जायसवाल
मनोन्द्रगढ़ विधायक एवं मंत्री प्रदेश के
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (छत्तीसगढ़ शासन)

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

गायत्री सिंह

अध्यक्ष-नगर पंचायत पटना

बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ.ग.)

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23 वें

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26 वें

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

वेदांती तिवारी

पूर्व उपाध्यक्ष - जिला पंचायत कोरिया

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

मोहित पैकरा

अध्यक्ष - जिला पंचायत कोरिया (छ.ग.)

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

www.ghatati.ghatana.com

ghatati.ghatana11@gmail.com

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

योगेश शुक्ला

सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक

घटती घटना

www.ghatati.ghatana.com

ghatati.ghatana11@gmail.com

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

आशीष यादव

(उर्फ लल्ला यादव)

उपाध्यक्ष नगर पालिका बैकुण्ठपुर जिला कोरिया

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

हरियादव

अध्यक्ष बैकुण्ठपुर क्षेत्र (एयएमएस)

योगेन्द्र मिश्रा

महामंत्री बैकुण्ठपुर क्षेत्र (एयएमएस)

अजय कुमार सिंह

अध्यक्ष कटकोना सहक्षेत्र (एयएमएस)

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

शोएब अख्तर

संचालक-स्टार बस सेवा व स्टार इंडस्ट्री चिरमिरी जिला-कोरिया (छ.ग.)

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

समीर चंद्र

प्रभारी मंत्री

राम मिश्रा

जयसवाल

विजय कुमार

राजगढ़

रघुनाथ सिंह

श्री विष्णुदेव साव

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

जय जोहार

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

॥ जय जोहार ॥

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

एवं

दैनिक घटती घटना के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय

ग्राम पंचायत कछार

जनपद पंचायत सोनढाव, जिला-कोरिया (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ की प्रगति, समृद्धि और खुशहाली के लिए हम सभी मिलकर संकल्पित हैं...

दैनिक घटती घटना के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं

विनीत

सरपंच एवं सचिव ग्राम पंचायत कछार

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक

घटती घटना

दैनिक घटती-घटना के 23वाँ

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वाँ

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

विकास तिवारी

अम्बे पानी इंडस्ट्रीज अम्बिकापुर, सरगुजा

दैनिक

घटती घटना

सच की आवाज... जनता के साथ...

के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं

सत्य, निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता के संकल्प के साथ दैनिक घटती घटना निरंतर समाज की आवाज बनता रहे।

संकल्पनकर्ता

राजन पाण्डेय

संवाददाता दैनिक घटती घटना जिला कोरिया

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

राकेश गुप्ता

पूर्व जिलाध्यक्ष,

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

भारत सिंह सिसौदिया

जिलाध्यक्ष,

भाजपा सरगुजा

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

टी.एस. सिंह देव

पूर्व उप मुख्यमंत्री

आदित्यशरण सिंह देव

पूर्व अध्यक्ष-रेडक्रास सोसायटी, सरगुजा

अंबिकापुर, सरगुजा, छ.ग.

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

जी.एन. सेवा समिति

अंबिकापुर

स्व. राजेन्द्र नारायण सिंह

श्रीमती मुखरानी देवी

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

अतुल सिंह

ए-5 कांटेक्टर

अंबिकापुर, सरगुजा, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

सफी अहमद

पूर्व अध्यक्ष

श्रम आयोग छ.ग.

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वें

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वें

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

गायत्री हॉस्पिटल

बनारस रोड अंबिकापुर सरगुजा

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

लक्ष्मीनारायण हॉस्पिटल

गुदरी चौक, संगम गली

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

डॉ. अजय तिकी

पूर्व महापौर, अंबिकापुर, सरगुजा

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

सुनील अग्रवाल

पूर्व अध्यक्ष

राइस मिल एसोसिएशन सरगुजा, छ. ग.

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

विवेक दुबे

लाइफलाईन हॉस्पिटल

अंबिकापुर, सरगुजा, छ.ग.

छत्तीसगढ़

राज्योत्सव

2026

दैनिक घटती-घटना के 23वां

व छत्तीसगढ़ राज्य के 26वां

स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

घटती घटना

टी.एस. सिंह देव

पूर्व उप मुख्यमंत्री

आदित्यशरण सिंह देव

पूर्व अध्यक्ष-रेडक्रास सोसायटी, सरगुजा

अंबिकापुर, सरगुजा, छ.ग.

ghatatighatana.com

घ

ट

टी

घ

ट

ना

दैनिक घटती घटना

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

1 नवंबर 2004 को

जनजागृति और जनहित के संकल्प के साथ

शुरू हुई दैनिक घटती-घटना की यात्रा आज

22 वर्ष पूरा कर

23 वें वर्ष में प्रवेश करने पर

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

22 वर्ष

23 वें वर्ष

पर हार्दिक बधाई...

शुभकामनाएं...

राम विचार नेताम

कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

दैनिक घटती-घटना

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

ghatatighatana.com

घ

ट

टी

घ

ट

ना

दैनिक घटती घटना

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

दैनिक घटती-घटना के

22 वर्ष

पूरा कर

23 वें वर्ष में

प्रवेश करने पर

हार्दिक बधाई...

शुभकामनाएं...

लक्ष्मी राजवाड़े

महिला एवं बाल विकास मंत्री

छत्तीसगढ़ शासन

सच, संवेदना और जनहित की आवाज...

दैनिक घटती-घटना

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

दैनिक घटती-घटना के

22 वर्ष पूरा कर 23 वें वर्ष में

प्रवेश करने पर

हार्दिक बधाई...

शुभकामनाएं...

स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

दैनिक घटती घटना

राजेश अग्रवाल

विधायक-अंबिकापुर

सरगुजा, छ.ग.

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

श्री अरुण साव

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा

उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़

दैनिक घटती-घटना के

23 वें वर्ष में प्रवेश करने पर

पर हार्दिक बधाई...

शुभकामनाएं...

चिंतामणी महराज

सांसद सरगुजा, छत्तीसगढ़ शासन

सच के साथ... जनहित में बात...